RAJHIN/2016/70516 Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 अंक-253 जयपुर, बुधवार, 11 मार्च 2026 मूल्य-4 रुपये

लोकसभा में अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश

चर्चा के लिए 10 घंटे का समय, 7 घंटे चर्चा हुई, बिरला पर पक्षपात का आरोप

गोगोई बोले- राहुल को 20 बार टोका गया

नई दिल्ली

लोकसभा में मंगलवार को विपक्ष स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाया। 50 से ज्यादा सांसदों ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया। इसके बाद पीठासीन ने प्रस्ताव पेश करने की परमिशन दे दी। प्रस्ताव पर चर्चा के लिए 10 घंटे का समय तय हुआ। मंगलवार को करीब 7 घंटे चर्चा हुई। इसके बाद सदन की कार्रवाई बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष ने ओम बिरला पर सदन की कार्यवाही में पक्षपात करने का आरोप लगाया है।

बहस की शुरुआत कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने की। उन्होंने कहा कि बजट सत्र के दौरान 20 बार नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को

रोका-टोका गया। उन्हें बार बार रूलिंग बुक दिखाई गई।

उन्होंने अपनी स्पीच में एक आर्टिकल का हवाला दिया। इस पर उन्हें मना किया गया, लेकिन सत्ता पक्ष के सांसदों ने भारत में बैन किताबें सदन में दिखाई। उनसे कुछ नहीं कहा गया। इस तरह का भेदभाव स्वीकार नहीं है।

गोगोई बोले- बिरला बोलने नहीं देते, माइक बंद किया

2 फरवरी को नेता विपक्ष राहुल गांधी जब बोल रहे थे, तब उन्हें बार-बार रोका गया। स्पीकर सर ने उनके तर्क पर सबूत देने का कहा।

9 फरवरी को शशि थरूर जब बोल रहे थे, तब उनका माइक बंद कर दिया गया। सरकार ने कहा कि बोलिए, लेकिन हम कैसे बोल सकते हैं जब माइक ऑफ किया गया हो। संसद में ऐसी नई-नई चीजें हो रही हैं।

आज महिला सांसदों के उद्देश्य पर सवाल उठाए जा रहे हैं। ओम बिरला जी ने पीएम मोदी के समय कहा था कि महिला सांसदों ने पीएम की चेयर घेर ली है। उनके साथ कुछ भी हो सकता था। ये बहुत ही शर्मनाक बात है। बिरला ने किस आधार पर महिला सांसदों पर ये आरोप लगाए।

सेशन के दौरान राहुल विदेश चले जाते हैं: रिजिजू

संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- इन लोगों ने पहले आरोप लगाया कि स्पीकर को बोलने नहीं दिया जाता है। मैं कहता हूं 15वीं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष केवल 2 बार बोले। जब सेशन चलता है, तो विदेश चले जाते हैं। नेता प्रतिपक्ष अपनी बात बोल के सदन से भाग जाते हैं। किसी और की बात नहीं सुनते हैं। फिर कहते हैं कि मुझे बोलने नहीं दिया जाता है।

पहली बार मैंने ऐसा दृश्य देखा कि नेता प्रतिपक्ष पीएम को गले लगा रहा है। अपनी सीट पर बैठकर अपने सांसद को आंख मारता है। जैसा लीडर है तो बाकी के सांसद भी वैसे ही होंगे। मेंबर चेयर को यार कहते हैं। फिर कहतें हैं कि इसमें गलत क्या है (वेणुगोपाल ने चेयर को यार कहा था।

प्रियंका को स्पीकर बनाते तो कुछ अच्छा होता। देखिए प्रियंका हंस रही हैं। जो अच्छा व्यवहार करे तो उसकी सराहना करनी चाहिए। विपक्ष ने हंगामा किया। रिजिजू बोले- मैंने अच्छा बोला है। कांग्रेस क्यों नाराज हो रही है।

राहुल की सच्चाई इनसे पचती ही नहीं है: प्रियंका

प्रियंका गांधी ने कहा कि एक ही व्यक्ति है इस देश में जो इन 12 सालों में इनके सामने झुका नहीं। वह नेता प्रतिपक्ष है। और वो नेता प्रतिपक्ष इस सदन में खड़े होके इनके सामने सच बोल देते हैं। सच्चाई वो जो बोलते हैं वह इनसे पचती नहीं है।

ईंधन संकट के बीच देश में एलपीजी का उत्पादन 10 फीसदी बढ़ाया

उद्योगों की गैस सप्लाई में सरकार ने की कटौती

नई दिल्ली

घरेलू उपभोक्ताओं को रसोई गैस (एलपीजी) की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार के निर्देशों के बाद देश की तेल रिफाइनरियों ने एलपीजी का उत्पादन करीब 10 फीसदी बढ़ा दिया है। सरकार ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते एलएनजी आपूर्ति में आई बाधा के बीच एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए देश की तेल रिफाइनरियों को उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए थे। उत्पादन बढ़ाने के बाद सभी रिफाइनरियां 100 फीसदी क्षमता पर काम कर रही हैं। वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की किल्लत पर मंत्रालय ने बनाई समिति वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों की अचानक किल्लत होने से होटल और रेस्तरां उद्योग में चिंता बढ़ने के बाद पेट्रोलियम मंत्रालय ने आपूर्ति से जुड़े मुद्दों की समीक्षा के लिए एक समिति गठित की है। पेट्रोलियम मंत्रालय के मुताबिक रेस्तरां, होटलों और अन्य उद्योगों को एलपीजी आपूर्ति से संबंधित मांगों की समीक्षा के लिए तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के तीन कार्यकारी निदेशकों की एक समिति बनाई गई है। अभी तक संपीडित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) और घरों में पाइप के जरिये पहुंचाई जाने वाली रसोई गैस (पीएनजी) ही ऐसे दो प्राथमिकता वाले क्षेत्र थे जिन्हें कच्चे माल के रूप में घरेलू प्राकृतिक गैस मिलती थी। भारत में सालाना लगभग 3.13 करोड़ टन एलपीजी की खपत होती है, इसमें लगभग 87 फीसदी हिस्सा घरेलू रसोई गैस का है, जबकि बाकी का उपयोग होटल, रेस्तरां और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में होता है। देश की कुल एलपीजी जरूरत का करीब 62 प्रतिशत आयात से पूरा होता है। भारत को सऊदी अरब जैसे देशों से एलपीजी आयात का 85 से 90 फीसदी हिस्सा मिलता है।

आपूर्ति को लेकर पीएम ने की उच्च स्तरीय बैठक

एलपीजी की आपूर्ति पर असर पड़ने की आशंका को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। इस बैठक में रसोई गैस की संभावित कमी से निपटने के उपायों पर चर्चा की गई।

जम्मू-कश्मीर में एक आतंकी ढ़ेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के झंगर-नौशेरा सेक्टर में स्पष्ट पर घुसपैठ की कोशिश के दौरान एक आतंकवादी को सेना ने मार गिराया। भारतीय सेना ने बताया कि 10 मार्च 2026 को दोपहर करीब 3 बजे लाइन ऑफ कंट्रोल पर झंगर-नौशेरा के इलाके में दो आतंकवादियों की हरकत का पता चला था। सेना ने बताया कि सैनिकों ने तेजी से काम किया, और घुसपैठ की कोशिश को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया। दूसरे आतंकवादी की तलाश जारी है। सेना के मुताबिक जमीन और हवाई निगरानी की मदद ली जा रही है।

ईरान बोला- ट्रम्प की धमकी से नहीं डरते

तेल अवीव। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 11वां दिन है। इस बीच अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा है कि मंगलवार को ईरान पर अब तक के सबसे बड़े और सबसे तीव्र हमले किए जाएंगे।

हेगसेथ के मुताबिक इस हमले में बड़ी संख्या में फाइटर जेट और बमवर्षक विमान शामिल होंगे। उन्होंने दावा किया कि ईरान की सैन्य क्षमताएं कमजोर हो रही हैं और वह बुरी तरह हार रहा है।

वहीं ईरान ने भी जवाब देते हुए कहा है कि वह धमकियों से डरने वाला नहीं है और जो लोग ईरान को खत्म करने की बात करते हैं, उन्हें अपने अंजाम के बारे में सोच लेना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट बोला- यूसीसी लागू करने का समय आ गया, संसद फैसला करे

शरियत कानून में सुधार की जल्दबाजी न करें

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने का समय आ गया है। इस पर फैसला करना कोर्ट के बजाय संसद का काम है। कोर्ट शरियत कानून 1937 की कुछ धाराओं को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था। इन धाराओं से मुस्लिम महिलाओं के साथ भेदभाव का आरोप था। सीजेआई सूर्यकांत,

जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा- शरियत कानून की धाराएं रद्द कर दी गईं तो मुस्लिम समुदाय में संपत्ति के बंटवारे को लेकर कोई स्पष्ट कानून नहीं बचेगा। इससे कानूनी खालीपन पैदा हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट पहले भी कई बार सरकार से समान नागरिक संहिता लागू करने को कह चुका है। अलग-अलग समुदायों के लिए अलग नियम हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम सीधे किसी कानून को असंवैधानिक घोषित कर दें।

याचिकाकर्ता के वकील प्रशांत भूषण: कोर्ट यह घोषित कर सकती है कि मुस्लिम महिलाओं को भी पुरुषों के बराबर संपत्ति में अधिकार मिलना चाहिए। अगर शरियत कानून की कुछ धाराएं रद्द होती हैं, तो ऐसे मामलों में भारतीय उत्तराधिकार कानून लागू किया जा सकता है।

गैस की कीमतें बढ़ाने पर विधानसभा में हंगामा

सरकार के जवाब नहीं देने पर नाराज कांग्रेस का वॉकआउट

जयपुर

विधानसभा में ईरान और यूएस-इजराइल युद्ध के बाद गैस सिलेंडरों की कीमतों में बढ़ोतरी और कॉमर्शियल सिलेंडरों की राशनिंग के मुद्दे पर शून्यकाल के दौरान कांग्रेस ने हंगामा किया। सरकार के इस मुद्दे पर जवाब नहीं देने के बाद कांग्रेस विधायकों ने सदन से वॉकआउट किया। शून्यकाल में कांग्रेस विधायक अमित चाचाण ने यह मामला उठाते हुए कहा कि सरकार ने संकट के समय गैस की कीमतें बढ़ाकर जनता पर डबल बोझ डाला है। सरकार को सब्सिडी देकर जनता को राहत देनी चाहिए, सरकार ने जनता को अपने हाल पर छोड़ दिया है। जूली ने कहा कि सरकार को बढ़ी हुई गैस सिलेंडर की कीमतों और कॉमर्शियल सिलेंडर नहीं देने से उपजे हालात पर सदन में बयान देना चाहिए। सरकार जवाब नहीं दे रही है, इसलिए हम सदन से वॉकआउट कर रहे हैं। इससे पहले प्रश्नकाल के दौरान बढ़ी हुई गैस कीमतों के मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और खाद्य मंत्री सुमित गोदारा के बीच बहस हो गई। जूली ने पूछा- कल ही रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी की है। कॉमर्शियल सिलेंडरों पर अघोषित रोक लगा दी है। क्या सरकार अपनी तरफ से सब्सिडी देकर जनता को राहत देगी? खाद्य मंत्री सुमित गोदारा ने ने कहा- नेता प्रतिपक्ष विद्वान हैं। आपको पता होगा कि गैस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ी हैं।

जूली ने कहा- आप जनता को सब्सिडी देकर राहत देंगे क्या? खाद्य मंत्री ने कहा- हम आमजन को गैस की किल्लत नहीं होने देंगे चाहे कुछ भी करना पड़े।

जूली ने कहा- कीमतें बढ़ गई, लेकिन सरकार क्या कर रही है? जब हमने 500 में सिलेंडर दिया था, तब 800 रुपए का सिलेंडर था। अब जब 600 रुपए सिलेंडर का रेट है तो आप सस्ता नहीं दे सकते क्या।

पात्र वोटर का नाम नहीं कटेगा, शांतिपूर्ण चुनाव कराना प्राथमिकता: सीईसी

कोलकाता

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मंगलवार को कहा कि किसी भी पात्र वोटर का नाम वोटर लिस्ट से नहीं हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करना चुनाव आयोग की प्राथमिकता है। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन का मकसद है कि सभी सही वोटर को वोट देने का अधिकार मिले और कोई अयोग्य व्यक्ति वोटर लिस्ट में शामिल न हो। आयोग का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि पश्चिम बंगाल के सभी मतदाता आगामी विधानसभा चुनाव में हिंसा और डर के माहौल से मुक्त होकर मतदान कर सकें। कोलकाता में चुनाव तैयारियों की समीक्षा के लिए दो दिन तक हुई बैठकों के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि आयोग ने राज्य की कानून-व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे बिना किसी पक्षपात और दबाव के कानून का सख्ती से पालन कराएं।

ज्ञानेश कुमार ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं। यहां मतदान प्रतिशत हमेशा काफी अधिक रहता है। राज्य के मतदाता संविधान का सम्मान करते हैं और शांतिपूर्ण चुनाव में विश्वास रखते हैं।

इस दौरान उन्होंने चुनाव आयोग का एक नारा भी बताया- 'चुनाओ पर्वो, पश्चिमबंगेर गर्वो' (यानी चुनाव का पर्व पश्चिम बंगाल का गर्व है)।

कोटा में नाबालिग की हत्या, सड़क पर चाकू मारे

कोटा

कोटा के उद्योग नगर थाना इलाके में नाबालिग की चाकू मार कर हत्या का मामला सामने आया है। घटना देर रात 10 बजे के आसपास की है। सूचना पुलिस मौके पर पहुंची है। शव को मोर्चरी में शिफ्ट करवाया जा रहा है। फिलहाल हत्या का कारण सामने नहीं आया है। मृतक युवक 11 वीं का छात्र था। उसके सीने व बगल में चाकू के घाव लगे है। घटना प्रेम नगर चौथ माता मंदिर के पास की है।

उद्योग नगर थाना सीआई जितेंद्र सिंह ने बताया कि चौथ माता मंदिर के पास दो तीन लड़कों में आपस में झगड़ा हुआ था। जिसमें चाकूबाजी में एक 17वर्षीय लड़का घायल हुआ था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

सीबीएसई के 12वीं के पेपर पर गाने का क्यूआर कोड

स्कैन करने पर यू-ट्यूब लिंक ओपन हो रही

नई दिल्ली

सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा में मैथ के पेपर पर छपे सिक्योरिटी क्यूआर कोड को स्कैन करने पर यू-ट्यूब की लिंक ओपन हो रही है। यह लिंक 39 साल पुराने इंग्लिश सॉन्ग 'रिकरोल' की है। 9 मार्च को हुए इस पेपर पर सीबीएसई ने कहा- क्यूआर स्कैन करने पर यू-ट्यूब लिंक ओपन हो रही है। लेकिन एग्जाम पेपर भी असली हैं। इस मामले में एग्जाम पेपर की सुरक्षा से समझौता नहीं हुआ है। एग्जाम पेपर

की ऑथेंटिसिटी सुरक्षित है और आगे की परीक्षाओं में ऐसी स्थिति दोबारा न हो, इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

वायरल फोटो की वजह से एग्जाम पेपर पर सवाल उठे

दरअसल, कुछ छात्रों का कहना था कि उनके स्कैन करने पर सच में यूट्यूब पर गाने कि लिंक खुल रही थीं। वहीं कुछ के स्कैन करने पर सिर्फ 'ए' और 'क्यू' जैसे साधारण लैटर साइन ही खुल रहे थे।

इससे कन्फ्यूजन हो गया कि वायरल स्क्रीनशॉट किसी एक-दो मामलों का है, तकनीकी गड़बड़ी है या सोशल मीडिया पर फैली फेक खबर। वहीं छात्रों और उनके माता-पिता ने एग्जाम पेपर कि ऑथेंटिसिटी पर भी सवाल उठाए।

क्यूआर कोड किसी डॉक्युमेंट या क्वेशन पेपर की पहचान और ऑथेंटिसिटी के लिए लगाया जाता है। इसे स्कैन करने पर आमतौर पर पेपर का सेट नंबर, सीरियल नंबर या एन्क्रिप्टेड जानकारी रखता है। इससे पता चलता है कि डॉक्युमेंट असली है या नहीं। उसमें किसी तरह की छेड़छाड़ तो नहीं हुई।

कैबिनेट ने 8.8 लाख करोड़ की परियोजनाओं को दी मंजूरी

जल जीवन मिशन को दिसंबर 2028 तक बढ़ाने की मंजूरी दी

चीन समेत पड़ोसी देशों के लिए एफडीआई नियमों में ढील

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक अहम कदम उठाते हुए, चीन सहित भारत के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों को आसान बना दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय

समिति (सीसीईए) ने इस बहुप्रतीक्षित प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भारत का चीन के साथ व्यापारिक घाटा लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है।

इस अहम फैसले के तहत सरकार ने 2020 में जारी 'प्रेस नोट 3' के प्रावधानों में ढील दी है। कोविड-19 महामारी के दौरान भारतीय कंपनियों के अवसरवादी अधिग्रहण को रोकने के लिए यह सख्त नियम लागू किया गया था। पुराने नियमों के अनुसार, भारत के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों- चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमार और अफगानिस्तान- से आने वाले किसी भी निवेश के लिए सरकार की पूर्व मंजूरी अनिवार्य कर दी गई थी।

देश में रणनीतिक बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को नई रफ्तार देने के लिए भी केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को बताया कि 'स्ट्रैटेजिक इंफ्रास्ट्रक्चर एंड कनेक्टिविटी इन्वेस्टमेंट एजेंडा 2024' के तहत कैबिनेट ने कुल 8.8 लाख करोड़ रुपये की विभिन्न महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को अपनी मंजूरी दे दी है। इन फैसलों में रेलवे, हाईवे, एविएशन और ग्रामीण जल आपूर्ति जैसे प्रमुख सेक्टर्स शामिल हैं, जो अर्थव्यवस्था को गति देने में अहम भूमिका निभाएंगे।

जल जीवन मिशन को दिसंबर 2028 तक

कैबिनेट द्वारा मंजूर किए गए कुल 8.8 लाख करोड़ रुपये के फंड में से सबसे बड़ा हिस्सा बुनियादी जरूरतों और ग्रामीण विकास पर केंद्रित है। सरकार ने 'जल जीवन मिशन' के विस्तार के लिए 8.7 लाख करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कैबिनेट ने जल जीवन मिशन को दिसंबर 2028 तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी है।

कनेक्टिविटी और यातायात सुविधाओं का विस्तार

बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और परिवहन को सुगम बनाने के लिए सरकार ने कई प्रमुख रेलवे और सड़क परियोजनाओं के साथ-साथ विमानन क्षेत्र के लिए अहम फैसले लिए हैं:

एविएशन सेक्टर: एक प्रमुख नीतिगत फैसले के तहत मदुरै एयरपोर्ट को इंटरनेशनल एयरपोर्ट (अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा) घोषित किया गया है।

रोड नेटवर्क: जेवर एयरपोर्ट और फरीदाबाद सेक्शन को जोड़ने वाले एलिवेटेड रोड के निर्माण के लिए 3,631 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इसके अलावा, बदनावर-थांदला-टिमरवानी (हॢ 752 ष्ठ) राजमार्ग को 4-लेन बनाने के लिए 3,839 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।

रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर: रेल यातायात की भीड़ कम करने और माल ढुलाई को तेज करने के लिए संतरागाछी-खड़गपुर के बीच चौथी लाइन बिछाने के लिए 2,905 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। इसी तरह सैंथिया-पाकुड़ के बीच चौथी रेलवे लाइन के लिए 1,569 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

प्रदेश में 14-15 मार्च को आंधी-बारिश की संभावना

जयपुर

नए पश्चिम विक्षोभ के सक्रिय होने से प्रदेश के मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। 14-15 मार्च को पश्चिम विक्षोभ के प्रभाव से प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी बारिश होने की संभावना है। इससे तापमान में गिरावट आने से आमजन को तेज गर्मी से राहत मिलेगी।

मंगलवार को प्रदेश में गर्मी का असर बरकरार रहा। प्रदेश के 19 शहरों का अधिकतम तापमान 37 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया। 40.6 डिग्री के साथ बाड़मेर का दिन और 22.8 डिग्री के साथ फलौदी की रात सबसे गर्म रही। हालांकि आगामी तीन दिन मौसम शुष्क रहने से तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के अनुसार बाड़मेर के अलावा अजमेर, जयपुर, पिलानी, कोटा, चित्तौडग़ढ़, पाली, जैसलमेर, जोधपुर, फलौदी, बीकानेर, चूरू, श्रीगंगानगर, डूंगरपुर, जालोर, फतेहपुर, दौसा , लूणकरणसर और झुंझुनूं का दिन का पारा 37 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया। वहीं फलौदी के अलावा 7 शहरों का रात का पारा 20 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया। जयपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, श्रीगंगानगर और संगरिया का रात का पारा 20 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि राज्य में 12 मार्च से तापमान में हल्की गिरावट आने और 14-15 मार्च को आंधी-बारिश की संभावना है।

फ्लाइट में युवक ने सुलगा ली बीड़ी, यात्रियों में फैली दहशहत, गोवा में केस दर्ज

गोवा (एजेंसी)। अकासा एयर की दिल्ली से गोवा जा रही एक फ्लाइट के टॉयलेट के अंदर बीड़ी पीने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद संबंधित यात्री के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी यात्री की इस हरकत से विमान में सवार अन्य यात्रियों और क्रू मेंबर की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया था, काफी देर तक यात्रियों में दहशत रही। जानकारी के मुताबिक यह घटना शनिवार को हुई, जब दिल्ली निवासी आशीष दिल्ली से गोवा जा रही फ्लाइट संख्या क्यूपी 1625 में यात्रा कर रहा था। उड़ान के दौरान आरोपी विमान के टॉयलेट में गया और वहां बीड़ी पीने लगा। कुछ देर बाद क्रू मेंबर को इसकी जानकारी मिली, जिसके बाद जांच करने पर यात्री के पास एक लाइटर भी बरामद हुआ। एयरलाइन की शिकायत के अनुसार विमान के भीतर धूम्रपान करना सख्त रूप से प्रतिबंधित है। टॉयलेट में बीड़ी पीने और लाइटर रखने से विमान और उसमें मौजूद यात्रियों की सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता था। क्रू मेंबर ने तुरंत तय सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करते हुए स्थिति को नियंत्रित किया और घटना की सूचना संबंधित अधिकारियों को दी। विमान के मनोहर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचने के बाद आरोपी यात्री को पुलिस के हवाले कर दिया गया। इसके बाद गोवा पुलिस ने भारतीय न्याय सहिंता और नागरिक उड्डयन सुरक्षा से जुड़े प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर लिया। अधिकारियों का कहना है कि विमान के भीतर इस तरह की गतिविधियां बेहद गंभीर मानी जाती हैं, क्योंकि इससे यात्रियों और विमान की सुरक्षा पर सीधा असर पड़ सकता है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी से पूछताछ की जा रही है। एयरलाइन ने भी कहा है कि वह जांच में पूरा सहयोग कर रही है।

बांग्लादेश में उस्मान हादी की मौत के दो आरोपी पश्चिम बंगाल से पकड़ाए

-मेघालय सीमा से भारत में घुसे थे और बंगाल के बोंगांव में छिपे थे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल पुलिस की एसटीएफ ने बांग्लादेशी नेता उस्मान हादी की हत्या के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान राहुल उर्फ फैसल करीम मसूद (37) और आलमगीर हुसैन (34) के रूप में हुई है। दोनों मेघालय सीमा से अवैध रूप से भारत में घुसे थे और पश्चिम बंगाल के बोंगांव में छिपे थे। आरोपी सही मौके का इंतजार कर रहे थे, ताकि दोबारा बांग्लादेश लौट सकें, लेकिन इससे पहले ही एसटीएफ ने छापेमारी कर दोनों को दबोच लिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल बांग्लादेश के पटुआखाली का निवासी है, जबकि आलमगीर ढाका का रहने वाला है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को रविवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और पता लगाया जा रहा है कि आरोपियों के भारत में दाखिल होने में किसी स्थानीय नेटवर्क की भूमिका तो नहीं थी। बता दें उस्मान हादी को ढाका में 12 दिसंबर को गोली मारी गई थी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। वह रिक्शे पर जा रहे थे तभी बाइक सवार हमलावर ने उन्हें गोली मारी थी। बाद में इलाज के दौरान सिंगापुर में 18 दिसंबर को उनकी मौत हो गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हमले से कुछ घंटे पहले उस्मान हादी ने ग्रेटर बांग्लादेश का एक मैप शेयर किया था, इसमें भारतीय इलाके शामिल थे।

ज्वाला ने दिया 5 शावकों को जन्म

श्योपुर (एजेंसी)। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क से खुशखबरी आई है। नामीबियाई मादा चीता ज्वाला ने 9 मार्च को 5 स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है। इसके साथ ही अब भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 53 हो गई है। सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस जानकारी को साझा करते हुए इसे प्रोजेक्ट चीता और वन्यजीव संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने लिखा- कूनो में आने के बाद ज्वाला ने यहां के वातावरण को पूरी तरह अपना लिया है और वह पार्क की सबसे सफल मादा चीताओं में शुमार हो गई है। ज्वाला (पूर्व नाम सियाया) उन आठ चीतों में शामिल थी, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सितंबर 2022 में कूनो में छोड़ा था। यह ज्वाला का तीसरा प्रसव है। इससे पहले उसने मार्च 2023 में पहली बार 4 शावकों को जन्म दिया था, जिनमें से केवल एक- मुखी ही जीवित बचा था। जनवरी 2024 में 3 शावकों को जन्म देने के बाद अब 9 मार्च 2026 को तीसरी बार 5 शावकों को जन्म दिया है।

दिल्ली से मैनचेस्टर की इंडिगो फ्लाइट बीच रास्ते से लौटी

इथियोपिया बॉर्डर से प्लेन ने यू टर्न लिया; जंग के कारण आखिरी मिनट में एयरस्पेस बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से मैनचेस्टर जा रही इंडिगो की फ्लाइट 7 घंटे उडने के बाद वापस लौट आई। इंडिगो के एक अधिकारी ने बताया कि फ्लाइट 6ई33 ने इथियोपिया और इरिट्रिया के बॉर्डर के पास यू-टर्न लिया और अब दिल्ली वापस आ गई। अधिकारी ने बताया कि मिडिल ईस्ट में चल रही जंग की वजह से आखिरी मिनट में एयरस्पेस पर रोक लग गई। जिसके बाद पायलट को बीच रास्ते से लौटने का फैसला लेना पड़ा। यह एयरक्राफ्ट सोमवार सुबह दिल्ली से यूनाइटेड किंगडम के शहर के लिए निकला था। ये 26 फरवरी के बाद इंडिगो की पहली दिल्ली-मैनचेस्टर फ्लाइट थी। लंबे समय का रूट कुछ समय बाद फिर से शुरू हुआ था। नॉर्मल हालात में फ़्लाइट को लगभग 11 घंटे लगते हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग सर्विस के मुताबिक, नॉर्स की इंडिगो फ्लाइट 6ई33 ने इथियोपिया और इरिट्रिया के बॉर्डर के पास यू-टर्न लिया और अब दिल्ली वापस जा रही है। डेटा से पता चलता है कि वेस्ट एशिया में एक्टिव कॉनफ्लिक्ट जोन से बचने के लिए बनाए गए रूट के बावजूद, एयरक्राफ्ट लगभग सात घंटे उडने के बाद वापस लौट आया। एयरक्राफ्ट ने अदन की खाड़ी और अफ्रीका के कुछ हिस्सों से होते हुए एक अजीब दक्षिणी रूट अपनाया था, और इस इलाके में ईरान-इजराइल के बढ़ते तनाव के बीच मिडिल ईस्ट के ज्यादातर एयरस्पेस को बाइपास कर दिया था। एक बयान में, इंडिगो के एक स्पोक्सपर्सन ने कहा कि एयरलाइन को आखिरी समय में एयरस्पेस पाबंदियां लगाए जाने के बाद यह फैसला लेना पड़ा।

बिहार की सियासत: भाजपा तलाश रही नया सीएम, नीतीश से नहीं छोड़ा जा रहा पटना

पटना (एजेंसी)। बिहार की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब दिल्ली की डगर पर चल पड़े हैं, पर उन्हे बिहार बहुत प्रिय है। शायद यही वजह है कि उन्होंने भावुक होकर कहा कि वे भले ही दिल्ली जा रहे है लेकिन पैनी नजर बिहार पर रखेंगे। सियासी पंडित इसके मायने निकाल रहे हैं। उनका मानना है कि नीतीश का बिहार में दखल रहेगा। आए दिन विवादों की झलक देखने को मिल सकती है। वहीं भाजपा ऐसे सीएम की तलाश में है जो बिहार को पूरी तरह अपनी गिरफ्त में ले सके।

सबसे अहम सवाल बिहार के अगले मुख्यमंत्री को लेकर है। बिहार के राजनीतिक इतिहास में यह पहली बार होगा जब भारतीय जनता पार्टी का अपना मुख्यमंत्री राज्य की कमान संभालेगा। जेडीयू और भाजपा के बीच सत्ता की भागीदारी का फॉर्मूला लगभग तय हो चुका है, जिसके तहत दोनों दलों को मंत्रिमंडल में बराबर की हिस्सेदारी मिलेगी। मुख्यमंत्री पद के लिए भाजपा के थिंक टैंक में सम्राट चौधरी, नित्यानंद राय, संजीव चौरसिया और दिलीप जायसवाल जैसे नामों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। पार्टी एक ऐसे चेहरे की तलाश में है जो संगठन और सरकार चलाने के अनुभव के साथ-साथ बिहार के जटिल जातीय समीकरणों में भी पूरी तरह फिट बैठ सके। बीजेपी के लिए यह फैसला चुनौतीपूर्ण है क्योंकि उसे नीतीश कुमार जैसे कद्दावर व्यक्तित्व का विकल्प पेश करना है। पार्टी को एक ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो हिंदुत्व के एजेंडे और गठबंधन की राजनीति के बीच संतुलन बना सके। सुशील कुमार मोदी के निधन के बाद राज्य में एक बड़े सर्वमान्य चेहरे की कमी खली है, जिसे भरने के लिए बीजेपी अब किसी लंबी रेस के घोड़े पर दांव लगाना चाहती है। सम्राट चौधरी, जो ओबीसी समाज से आते हैं, वर्तमान में एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरे हैं।

बिहार की राजनीति एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी है, जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले ने सत्ता परिवर्तन की पटकथा लिख दी है। नीतीश कुमार के इस कदम के साथ ही उनके पुत्र निशांत कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) में आधिकारिक तौर पर एंट्री हो गई है। रविवार को जेडीयू की सदस्यता ग्रहण करने के बाद यह माना जा रहा है कि नीतीश कुमार ने निशांत को अपना सियासी वारिस घोषित कर दिया है और उन्हें भविष्य की सरकार में उपमुख्यमंत्री के तौर पर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। नीतीश कुमार के इस फैसले का जेडीयू के भीतर काफी विरोध भी हुआ, लेकिन उन्होंने भावुक होकर पार्टी विधायकों को समझाया कि वे भले ही दिल्ली जा रहे हैं, परंतु बिहार की हर गतिविधि पर उनकी पैनी नजर बनी रहेगी। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने और निशांत कुमार के राजनीति में आने से बिहार के सियासी गलियारों में हलचल तेज है। अब सबकी निगाहें दिल्ली और पटना के बीच होने वाली अंतिम दौर की बैठकों पर टिकी हैं कि आखिर वह कौन सा चेहरा होगा जो बिहार की सत्ता की कमान संभालेगा। बीजेपी के लिए यह न केवल सरकार बनाने का अवसर है, बल्कि 2030 तक अपनी राजनीतिक जमीन को अटूट बनाने की एक बड़ी अग्निपरीक्षा भी है।

देश में 33,577 बच्चे हुए लापता, पश्चिम बंगाल सबसे ऊपर तो मध्यप्रदेश दूसरे स्थान पर, कुछ राज्यों में एक मामला भी दर्ज नहीं

-महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की रिपोर्ट के ताजा आंकड़ों ने देश में बच्चों के लापता होने की गंभीर समस्या को उजागर किया है। मंत्रालय की 'मिसिंग चिल्ड्रन' रिपोर्ट के अनुसार 1 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच पूरे देश में 33,577 बच्चे लापता हुए। इनमें से 25,800 बच्चों को ढूंढ लिया गया है, जबकि 7,777 बच्चे अब भी लापता हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा मामले पश्चिम बंगाल से सामने आए हैं। यहां कुल 19,145 बच्चों के गुम होने की शिकायत दर्ज हुई। इनमें से 15,465 बच्चों को बरामद कर लिया गया, जबकि 3,680 बच्चे अभी भी लापता हैं।

इस मामले में दूसरे स्थान पर मध्यप्रदेश है, जहां 4,256 बच्चे लापता हुए। इनमें से 3,197 बच्चों को ढूंढ लिया गया, जबकि 1,059 बच्चों का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। इसके अलावा कई अन्य राज्यों में भी बच्चों के लापता होने के मामले दर्ज किए गए हैं। हरियाणा में 2,209 बच्चे लापता हुए, जिनमें से 353 अभी भी नहीं मिले हैं। केरल में 1,696 बच्चों के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज हुई, जिनमें से 778 अब तक लापता हैं। वहीं ओडिशा में 1,624 बच्चों के लापता होने के मामले सामने आए, जिनमें से 1,088 बच्चों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

इन राज्यों में कोई मामला नहीं

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बच्चों के गुम होने की कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई। इनमें नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, गुजरात, लक्षद्वीप और दादरा और नगर हवेली शामिल हैं।

लापता से ज्यादा बरामद हुए बच्चे

रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया है कि कई राज्यों में बरामद बच्चों की संख्या लापता बच्चों से अधिक है। इसका कारण यह है कि कई बार एक राज्य से लापता हुए बच्चे दूसरे राज्यों में बरामद होते हैं। उदाहरण के तौर पर महाराष्ट्र, लद्दाख और तमिलनाडु में बरामद बच्चों की संख्या दर्ज मामलों से अधिक है।

विदेश मंत्री के बयान को विपक्ष ने बताया अपर्याप्त, मांग ठुकराए जाने पर किया वॉकआउट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर सोमवार को संसद के उच्च सदन में जोरदार हंगामें की स्थिति बन गई। कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की मांग की, लेकिन राज्यसभा में चर्चा की अनुमति न मिलने के बाद विपक्ष ने विरोध जताते हुए वॉकआउट कर दिया। कांग्रेस ने विदेश मंत्री के बयान को अपर्याप्त बताते हुए सरकार से तत्काल चर्चा कराने की मांग की है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विदेश मंत्री ने राज्यसभा में स्थिति पर स्वतः संज्ञान लेते हुए वक्तव्य दिया, लेकिन उस पर सवाल पूछने या स्पष्टीकरण मांगने का अवसर नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि संपूर्ण विपक्ष पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर तत्काल चर्चा चाहता था, लेकिन इसे अस्वीकार कर दिया गया। इसी के विरोध में विपक्षी सांसदों ने सदन से वॉकआउट किया। इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उसके प्रभावों को लेकर सदन में बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत का स्पष्ट रुख है कि क्षेत्र में शांति, संवाद और कूटनीति की प्रक्रिया फिर से शुरू होनी चाहिए। उन्होंने सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव कम करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। विपक्ष विदेश मंत्री के बयान से असंतुष्ट नजर आया और उच्च सदन से वाकआउट कर गया।

बिना चर्चा के बस बयान पढ़ देना गलत, विदेश मंत्री जयशंकर पर नाराज थरूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को मिडिल ईस्ट के हालात पर संसद में बयान जारी किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम एशिया में बदलते हालात पर करीब से नजर रख रहे हैं। गल्फ देशों में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक रहते हैं। ताजा हालात को देखकर उन्हें सुरक्षित भारत लाने का ऑपरेशन तेजी से जारी है। हालांकि, मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस जयशंकर के बयान से संतुष्ट नहीं है। पार्टी ने दो टूक कहा कि पश्चिम एशिया के मुद्दे पर वे चर्चा चाहते हैं। वहीं इस मामले पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने प्रतिक्रिया दी है।

थरूर ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर विदेश मंत्री जयशंकर के बयान को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उनका बयान सुना है, लेकिन हम इस मुद्दे पर चर्चा चाहते हैं। यह एक बेहद महत्वपूर्ण मुद्दा है। देश इससे बुरी तरह प्रभावित है। हमारी ऊर्जा सुरक्षा खतरे में है।

थरूर ने कहा कि सोमवार सुबह तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गई। कतर से गैस की आपूर्ति पूरी तरह से बंद कर दी गई है। फिलहाल कतर से हमारे कारखानों को भारत में गैस नहीं मिल रही है। हम पूर्वी देशों से गैस प्राप्त कर सकते हैं।

थरूर ने कहा कि परसों ही एलपीजी की कीमत में 60 रुपये की बढ़ोतरी हुई, और निश्चित रूप से, पेट्रोल भी महंगा होगा। इसलिए यह सब हमारे देश के लिए एक गंभीर समस्या बनने वाला है। इसके बाद हमें सरकार से एक बहुत ही जिम्मेदार और सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता की उम्मीद है।

थरूर ने कहा कि सदन में बिना चर्चा के बस बयान पढ़ देना गलत है। यही वजह है कि जयशंकर के बयान पर कांग्रेस पार्टी ने नाराजगी जाहिर की है। थरूर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय नियमों को लेकर कई अहम सवाल हैं। संसद

ऐसी जगह है जहां इन मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। हम ये नहीं कह रहे कि हम सरकार हैं।

करूर भगदड़ मामले में सीबीआई ने अभिनेता विजय को फिर किया तलब

पहले भी दो बार हो चुकी है पूछताछ, घटना में 41 लोगों की हुई थी मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। करूर भगदड़ मामले की जांच कर रही सीबीआई ने अभिनेता और तमिलगा वेत्री कझगम के प्रमुख विजय को एक बार फिर पूछताछ के लिए तलब किया है। एजेंसी ने उन्हें नया नोटिस जारी कर 10 मार्च को पेश होने के लिए कहा है। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक यह पूछताछ करूर में 27 सितंबर 2025 को हुई भगदड़ की घटना से जुड़ी है। इस हादसे में 41 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 60 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। घटना के बाद से ही इस मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच सीबीआई को सौंपी थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच एजेंसी इससे पहले भी फिल्म अभिनेता विजय से दो बार पूछताछ कर चुकी है। पहली बार उनसे 12 जनवरी को और दूसरी बार 19 जनवरी को इस मामले में पूछताछ की थी। अब मामले से जुड़े कुछ अतिरिक्त तथ्यों और सबूतों को लेकर एजेंसी उनसे फिर पूछताछ करना चाहती है। जांच अधिकारियों के मुताबिक करूर में आयोजित एक बड़े सार्वजनिक कार्यक्रम में अचानक भारी भीड़ उमड़ने से भगदड़ मच गई थी। मौके पर सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था पर्याप्त नहीं होने के कारण स्थिति तेजी से बिगड़ गई। इस घटना में बड़ी संख्या में लोग दब गए, जिससे कई लोगों की मौत हो गई और कई गंभीर रूप से घायल हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक सीबीआई इस बात की जांच कर रही है कि कार्यक्रम के आयोजन, सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण के लिए जिम्मेदार लोगों की भूमिका क्या थी और कहीं लापरवाही या नियमों के उल्लंघन के कारण यह हादसा तो नहीं हुआ। कार्यक्रम से जुड़े कई व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक एजेंसी कार्यक्रम के आयोजन से जुड़े दस्तावेज, अनुमति प्रक्रिया और सुरक्षा इंतजामों की भी बारीकी से जांच कर रही है। करूर भगदड़ मामले ने पूरे राज्य में गहरा असर डाला था और घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन को लेकर गंभीर सवाल उठे थे।

नीतीश कुमार का परिवारवाद पर यू-टर्न, बेटे निशांत की राजनीति में एंट्री से उठे सवाल

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में दशकों तक वंशवाद के प्रखर विरोधी रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक ऐसा कदम उठाया है, जिसने उनके राजनीतिक सिद्धांतों पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। अपने पूरे संसदीय जीवन में लालू यादव और कांग्रेस के परिवारवाद की आलोचना करने वाले नीतीश ने आखिरकार अपने बेटे निशांत कुमार को राजनीति के मैदान में उतारने की अनुमति दे दी है। शनिवार को निशांत ने जनता दल (यूनाइटेड) की सदस्यता ग्रहण कर ली, जिसके बाद बिहार के सियासी गलियारों में यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या नीतीश भी अब उसी राह पर चल पड़े हैं, जिसका वे विरोध करते आए थे।

आज वही नीतीश कुमार अपने ही पुराने बयानों के घेरे में हैं। आलोचकों का कहना है कि बेटे के मोह में नीतीश ने अपने जीवन भर की राजनीतिक शुचिता और सिद्धांतों की कमाई को एक झटके में दांव पर लगा दिया है। अब उनके पास राजद या कांग्रेस के परिवारवाद पर हमला करने का नैतिक आधार कम होता दिख रहा है। निशांत कुमार की जेडीयू में एंट्री केवल एक नए नेता का आगमन नहीं है, बल्कि बिहार की उस एंटी-फैमिली राजनीति के एक बड़े अध्याय का अंत भी माना जा रहा है, जिसकी कमान कभी नीतीश कुमार ने संभाली थी। नीतीश कुमार हमेशा से खुद को जननायक कर्पूरी ठाकुर का सच्चा अनुयायी बताते रहे हैं। कर्पूरी ठाकुर ने अपने जीवनकाल में परिवार के किसी सदस्य को राजनीति में आने नहीं दिया था। नीतीश ने भी सालों तक इसी उसूल का पालन किया और अपने परिवार को सत्ता के गलियारों से दूर रखा। पिछले एक साल से निशांत को राजनीति में लाने की मांग उठ रही थी, लेकिन नीतीश की चुप्पी को उनकी ना माना जा रहा था। मगर अचानक खुद राज्यसभा जाने की चर्चा और बेटे को बिहार की सियासत में सक्रिय करने के फैसले ने विरोधियों को आलोचना का बड़ा अवसर दे दिया है।

समाजवादी विचारधारा के ध्वजवाहक माने जाने वाले नीतीश कुमार अक्सर यह कहते रहे हैं कि परिवारवाद लोकतंत्र के लिए हानिकारक है। उन्होंने सार्वजनिक मंचों से कई बार कांग्रेस और राजद पर तीखे प्रहार किए। साल 2017 में जब राहुल गांधी ने अमेरिका में वंशवाद को भारतीय राजनीति की वास्तविकता बताया था, तब नीतीश ने इसका पुरजोर विरोध किया था। उन्होंने तर्क दिया था कि राजनीतिक परिवार में जन्म लेने मात्र से कोई शासन के योग्य नहीं हो जाता और गैर-परिवारवादी नेता हमेशा बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

ईरान में फंसे जम्मू-कश्मीर के सैकड़ों छात्र, अभिभावकों ने लगाई सरकार से गुहार

-आर्मेनिया सीमा के रास्ते सुरक्षित बाहर निकालने का दिया सुझाव

श्रीनगर (एजेंसी)। ईरान में जारी जंग के बीच वहां कश्मीर के सैकड़ों छात्रों की सुरक्षा को लेकर उनके परिवार चिंतित हैं। हालात बिगड़ने की खबरों के बीच अभिभावकों और फंसे हुए छात्रों ने केंद्र सरकार से उन्हें जल्द वापस लाने की मांग की है। उन्होंने सुझाव दिया है कि छात्रों को आर्मेनिया सीमा के रास्ते सुरक्षित बाहर निकाला जाए। अभिभावकों के प्रतिनिधिमंडल ने कश्मीर के मंडलायुक्त से भी मुलाकात कर ईरान के कई विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं से अवगत कराया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभिभावकों ने प्रशासन से अनुरोध किया कि वह इस मामले को तुरंत विदेश मंत्रालय के सामने उठाएं और छात्रों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करे। मंडलायुक्त ने आश्वासन दिया कि प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों के कारण सुरक्षित वापसी में कुछ समय लग सकता है, लेकिन प्रयास किए जा रहे हैं। एक अभिभावक ने कहा कि ईरान की स्थिति बेहद गंभीर है और यहां परिवारों पर भारी मानसिक दबाव है। छात्रों के माता-पिता न तो ठीक से सो पा रहे हैं और न ही किसी काम पर ध्यान दे पा रहे हैं। हम सरकार से अपील करते हैं कि जल्द से जल्द हमारे बच्चों को वापस लाया जाए।

एक अन्य अभिभावक ने बताया कि कई देशों ने अपने नागरिकों को ईरान से निकालना शुरू कर दिया है और भारत सरकार से भी इसी तरह की त्वरित कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि अजरबैजान जैसे देशों ने अपने नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया है। भारत सरकार को भी तुरंत कदम उठाने चाहिए क्योंकि बच्चों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। ईरान के विभिन्न शहरों में पढ़ रहे छात्रों ने भी हालात को तनावपूर्ण और डरावना बताया है।

आल इंडिया मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रतिनिधि और जम्मू-कश्मीर अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद मोमिन खान ने भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहाली से मुलाकात कर ईरान में पढ़ रहे भारतीय छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने राजदूत से भारतीय छात्रों की सुरक्षित वापसी में सहयोग करने और संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करने का अनुरोध किया। डॉ. मोमिन के मुताबिक भारतीय दूतावास ने छात्रों को पड़ोसी देश आर्मेनिया तक पहुंचने में लाजिस्टिक सहायता देने की पेशकश की है जिसे मौजूदा हालात में अपेक्षाकृत सुरक्षित माना जा रहा है। हालांकि आर्मेनिया से भारत

तक की आगे की यात्रा का प्रबंध छात्रों को स्वयं करना होगा।

होली व शीतला सप्तमी के मद्देनजर भीलवाड़ा में धारा 163 लागू

10 से 17 मार्च तक जिले की सम्पूर्ण सीमा (शहरी/ग्रामीण) क्षेत्र में निषेधाज्ञा जारी

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

शीतला सप्तमी, अष्टमी, रंगतेरस पर्व पर रंग खेला जायेगा। इन त्यौहारों पर लोग एक-दूसरे को रंग व गुलाल लगाते है। असामाजिक तत्वों द्वारा उक्त पर्वो के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था तथा लोक व्यवस्था प्रभावित की जा सकती है। जिससे सामान्य जनजीवन विपरीत रूप से प्रभावित हो सकता है तथा विधि प्रतिकूल अन्य घटनाएं घटित होने की प्रबल संभावनाएं हो सकती है। ऐसी स्थिति में सामाजिक सद्भाव एवं लोक-शांति बनाये रखने हेतु तत्काल निरोधात्मक कार्यवाही किया जाना आवश्यक है ।

उपरोक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुये जिला मजिस्ट्रेट जसमीत सिंह संधू ने कानून एवं लोक शांति बनाये रखने की दृष्टि से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये जिले की सम्पूर्ण सीमा (शहरी/ग्रामीण) क्षेत्र में इस प्रकार की घटनायें रोकने की दृष्टि से निषेधाज्ञा जारी करते हुये यह आदेश दिया कि कोई भी व्यक्ति किसी भी तरह का विस्फोटक पदार्थ, घातक रासायनिक पदार्थ, आग्नेय अस्त्र-शस्त्र जैसे-रिवोल्वर, पिस्टल, बन्दूक, एम.एल.गन, बी.एल.गन, राईफल आदि एवं अन्य हथियार जैसे-तलवार, भाला, कृपाण, बरछी, गुप्ती, कटार, गुप्ती, कटार, धारिया, बाघनख (शेर पंजा) घाणू, छुरी, गंडासा, फरसा जो किसी धातु के शस्त्र के रूप में बना हों इत्यादि तथा विधी द्वारा प्रतिबन्धित हथियार और मोटे घातक हथियार लाठी, ज्वलनशील पदार्थो हानिकारक रसायनों द्रव्यों से भरे गुब्बारों आदि सार्वजनिक स्थानों पर धारण कर न तो घुमेगा एवं ना ही प्रदर्शन करेगा और न ही साथ में लेकर चलेगा। परन्तु उपर्युक्त प्रतियन्ध निम्न अपवादों के साथ लागू होगा ।

यह आदेश ड्युटी पर तैनात बैंक सुरक्षा कर्मियों, सीमा सुरक्षा बल, राजस्थान शस्त्र पुलिस बल, राजस्थान सिविल पुलिस में तैनात अधिकारियों कर्मचारियों पर एवं उन राज्य एवं केन्द्रीय कर्मचारियों पर जो कानून एवं शांति व्यवस्था के संबंध में अपने हथियार रखने को अधिकृत किये गये है पर लागू नहीं होगा । सिक्ख समुदाय के व्यक्तियों को धार्मिक परम्परा के अनुसार निर्धारित कृपाण रखने की छूट होगी ।

यह आदेश शस्त्र अनुज्ञा-पत्र नवीनीकरण हेतु आदेशानुसार शस्त्र निरीक्षण करवाने अथवा शस्त्र पुलिस थाने में जमा कराने हेतु ले जाने पर लागू नहीं होगा। दिव्यांग एवं बीमार व्यक्ति जो बिना लाठी के सहारे नहीं चल सकते है। यह चलने में सहारा लेने हेतु लाठी का उपयोग कर सकेगें ।

कोई भी व्यक्ति साम्प्रदायिक सदभावना को ठेस पहुँचाने वाले उत्तेजनात्मक एवं आपत्तिजन नारे नहीं लगायेगा, न ही ऐसा कोई भाषण या उद्बोधन देगा, न ही ऐसे किसी पेम्पलेट, पोस्टर या अन्य प्रकार की सामग्री का मुद्रण करवायेगा, वितरण करेगा या वितरण करवायेगा और न ही किसी एम्लीफायर, रेडियो, टेप रिकार्डर, लाउडस्पीकर, ऑडियों-विडियो कैसेट या अन्य किसी इलेक्ट्रोनिक उपकरणों के माध्यम से इस प्रकार का प्रचार-प्रसार करेगा अथवा करवायेगा, और ऐसे कृत्यों के लिये न ही किसी को दुष्प्रेरित करेगा। इन्टरनेट तथा सोशल मीडिया यथा Facebook, Twitter, What-sapp, Youtube आदि के माध्यम से किसी प्रकार का धार्मिक उन्माद, जातिगत द्वेष या दुष्प्रचार नहीं करेगा।

जिला मजिस्ट्रेट जसमीत सिंह संधू ने सभी नागरिकों को इस आदेश की पालना करने एवं अवहेलना नहीं करने के निर्देश दिये। यदि कोई व्यक्तित् उपर्युक्त प्रतिबन्धात्मक आदेशों का उल्लघंन करेगा, तो वह भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अर्न्तगत अभियोजित किया जा सकेगा। यह आदेश दिनांक 10 मार्च से 17 मार्च तक जिले की सम्पूर्ण सीमा (शहरी/ग्रामीण) क्षेत्र में प्रभावी रहेगा।

पासपोर्ट कार्यालय को बॉम्ब से उड़ाने की धमकी

पुलिस कार्यवाही और सायरन से व्यापारियों में फैली दहशत, व्यस्त बाजार छावनी में हुआ तब्दील

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। वस्त्रनगरी भीलवाड़ा के पासपोर्ट कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मेल पर मिलने से प्रशासन में हड़कम्प मच गया। आनन-फानन में भारी पुलिस ने बल क्षेत्र में तैनात कर दिया और आसपास के क्षेत्र में दुकानों को बंद करवा दिया गया। अचानक पुलिस कार्रवाई और सायरन की आवाज और छावनी में तब्दिल हुए क्षेत्र से आसपास के व्यापारियों में भी दहशत फैल गई। मंगलवार दोपहर नागौरी गार्डन स्थित पासपोर्ट कार्यालय में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब सीओ सिटी सज्जन सिंह और भीमगंज थाना प्रभारी सुनील चौधरी भारी पुलिस जाब्ते और फायर ब्रिगेड की गाड़ियों के साथ सिटी कार्यालय पहुंची। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पोस्ट ऑफिस को खाली करवाया और सुरक्षा कारणों से वहां संचालित पासपोर्ट सेवा केंद्र का कामकाज भी अस्थायी रूप से रोक दिया। सुरक्षा के मद्देनज़र पुलिस ने डाकघर के आसपास की दुकानों को भी एहतियातन बंद करवा दिया। कुछ ही देर में व्यस्त रहने वाला नागौरी गार्डन क्षेत्र पुलिस छावनी में तब्दील हो गया। सीओ सिटी सज्जन सिंह ने बात करते हुए कहा कि ईमेल के माध्यम से सूचना मिली थी कि कुछ स्थानों पर साइनाइड से भरे सिलेंडर और ढ्रश्वष्ठ लगाकर इंडियन पोस्ट ऑफिस और पासपोर्ट कार्यालय को उड़ाने की धमकी दी गई है। सूचना मिलते ही कलेक्टर और एसपी को अवगत कराया गया तथा इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम को मौके पर बुलाया गया। पूरे इलाके को खाली करवाकर सर्च अभियान चलाया जा रहा है।

वहीं भीमगंज थाना प्रभारी सुनील चौधरी ने कहा कि फिलहाल आउटर कॉर्डन की जांच की जा रही है और पर्याप्त सुरक्षा के साथ पूरे क्षेत्र की बारीकी से तलाशी ली जाएगी। सभी सुरक्षा उपकरण मौके पर मंगवा लिए गए हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

युवती की हत्या की कोशिश के मामले में नामजद आरोपी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

प्रतापनगर थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले मे त्वरित कार्यवाही करते हुए नामजद आरोपी भवानी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है और
आरोपी से हत्या के प्रयास मे प्रयुक्त चाकु जब्त किया है । एसपी धर्मेंद्र सिंह द्वारा आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु एएसपी मुख्यालय पारस जैन के निर्देशन में एवं सीओ सिटी सज्जन सिंह के सुपरविजन में और थाना प्रभारी राजपाल सिंह नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन कर आरोपी को पकड़ा ।

यह था मामला

दिनांक 09.03.2026 को प्रार्थी रीना सेन पत्नी विजय सेन निवासी चंद्रशेखर आजादनगर भीलवाडा ने प्रतापनगर थाने में रिपोर्ट दी जिसमे बताया की आरोपी भवानी सिंह रावत ने उसे जान से मारने की नियत से चाकु से वार किया जिससे वह घायल हो गई । पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की।

टीम ने आरोपी को ऐसे दबोचा

गठित टीम ने थाना प्रभारी राजपाल सिंह प्रतापनगर के निर्देशन में घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज चैक कर सूचना एकत्रित की और कडी मेहनत करते हुए मामले में अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए शहर भीलवाड़ा में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए मुखबीर की सूचना के आधार पर मुख्य आरोपी भवानी सिंह रावत पुत्र देवीसिह रावत उम्र 36 साल निवासी न्यु पटेल नगर थाना प्रतापनगर जिला भीलवाडा को गिरफ्तार किया गया।

टीम में ये रहे शामिल

प्रतापनगर थाना प्रभारी राजपाल सिंह के साथ राजेन्द्र सिंह उ.नि. थाना प्रतापनगर, कॉन्स्टेबल प्रकाश, राजेन्द्र शामिल थे।

ट्रांसफार्मर में हुआ शॉर्ट सर्किट, 30 से ज्यादा घरों के विद्युत उपकरण जले, मची अफरा तफरी

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

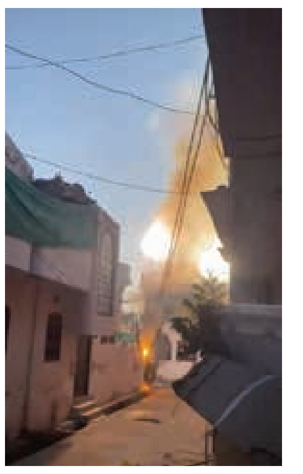

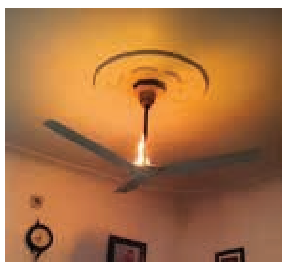

भीलवाड़ा। शहर के शास्त्री नगर क्षेत्र में स्थित अंबेडकर कॉलोनी में मंगलवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब विद्युत ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट के कारण ट्रांसफार्मर सहित करीब 30 से अधिक मकानो में विद्युत उपकरणों में आग लग गई। देखते ही देखते हर घर में अफरा तफरी का माहौल हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय निवासियों ने सिक्योर और विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि ट्रांसफार्मर को लेकर पहले भी कई बार शिकायत की गई लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ जिसके फलस्वरूप विद्युत विभाग की लापरवाही के कारण शॉर्ट सर्किट हुआ जिसकी वजह से घर में तमाम विद्युत उपकरण जल गए जिससे उन्हें काफी नुकसान हुआ है। स्थानीय निवासी जितेश खोखर ने बताया कि सुबह हम सभी वाल्मीकि समाज के लोग काम करने के लिए निकल जाते है और घर पर केवल महिलाएं बच्चे ही रहते है। तब यहां पर पास में स्थित ट्रांसफार्मर में अचानक शॉर्ट सर्किट हो गया। जिसके वजह से ट्रांसफार्मर सहित हमारे साथ ही करीब 30 से 35 मकान में विद्युत उपकरणों के अंदर आग लग गई और वह जल गए। किसी के बिस्तर में आग लग गई तो किसी के उपकरण में आग लग गई। बीते कई दिनों से यहां पर ट्रांसफार्मर खराब हो रहा था और यहां आस-पास कई बोर्ड भी लगे हुए थे। इसको लेकर हमने बिजली विभाग को शिकायत भी की लेकिन इसका कोई समाधान नहीं हुआ जिसके वजह से मंगलवार सुबह इस ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट हो गया है जिसकी वजह से हमें इतना नुकसान हुआ है और हमारे परिवार के लोग डर से सहम गए। वह तो गनीमत रही कि कोई बच्चे या महिलाएं करंट की चपेट में नहीं आए वरना बहुत बड़ा हादसा हो सकता था।

दिल्ली में युवक की हत्या के बाद भीलवाड़ा में उपजा आक्रोश

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। दिल्ली में एक युवक की हत्या के विरोध में मंगलवार को विश्व हिंदू परिषद ने भीलवाड़ा जिला कलेक्ट्रेट पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। संगठन के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे और घटना को लेकर आक्रोश जताया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। विश्व हिंदू परिषद के महानगर उपाध्यक्ष भारत गैंगट ने कहा कि दिल्ली के उत्तम नगर में तरुण खटीक नाम के युवक की बेरहमी से हत्या की गई है। होली के अवसर पर गुब्बारे के छींटे लगने जैसी छोटी सी बात को लेकर विवाद हुआ और इसके बाद युवक के घर पर हमला किया गया और तरुण खटीक की हत्या कर दी गई, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय घटना है। विश्व हिंदू परिषद इस घटना के विरोध में पूरा संगठन एकत्रित होकर ज्ञापन सौंप रहा है। हमारी मांग है कि इस मामले में जो आरोपी अभी फरार हैं उन्हें जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए और हत्या के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। इसके साथ ही इस तरह की घटनाओं पर कठोर कार्रवाई की मांग करते है ताकि भविष्य में कोई भी कानून व्यवस्था को चुनौती देने की हिम्मत न कर सके।

पेड़ से झूलता मिला विवाहिता का शव

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

जिले के ईरास क्षेत्र में ईरास व बागा का खेड़ा के बीच आवणं माता मंदिर रोड पर मंगलवार शाम को एक विवाहिता का शव पेड़ से झूलता हुआ मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान काली पत्नी सावर भील (25) निवासी ईरास के रूप में हुई है। राहगीरों व ग्रामीणों ने पेड़ पर महिला का शव लटका देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना की सूचना फैलते ही मौके पर सैकड़ों की तादाद में लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। इसके बाद हाईवे एम्बुलेंस की सहायता से शव को रायला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया।

गुलाबपुरा थाने के सहायक उपनिरीक्षक महावीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

यूएन में अफगानिस्तान के समर्थन में खुलकर खड़ा हुआ भारत

स्मार्ट हलचल

न्यूयॉर्क। भारत ने पाकिस्तान की ओर से हाल ही में अफगानिस्तान पर किए गए हवाई हमलों की संयुक्त राष्ट्र में कड़ी निंदा की है और इसे इंटरनेशनल कानून, यूएन चार्टर और देश की संप्रभुता के सिद्धांत का खुला उल्लंघन बताया है।

भारत ने यूनाइटेड नेशंस में ट्रेड और ट्रांजिट पर लगी पाबंदियों के बारे में भी चिंता जताई, जिससे इस लैंडलॉक्ड (जमीन से घिरे) देश पर असर पड़ रहा है।

न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पी. हरीश ने अफगानिस्तान के हालात पर यूएनएससी मीटिंग में भारत का पक्ष रखते हुए हमलों की आलोचना की और कहा कि इन हमलों की वजह से आमजन ने जान गंवाई है और काफी लोग बेघर हुए हैं।

भारतीय राजनयिक ने भारत की ओर से अफगानिस्तान को दी जाने वाली मदद पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा सभी 34 प्रांतों में 500 से ज़्यादा डेवलपमेंट पार्टनरशिप प्रोजेक्ट्स के साथ, भारत हेल्थकेयर, पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और कैपेसिटी बिल्डिंग में अपनी भागीदारी बढ़ा रहा है। हम हेल्थकेयर सपोर्ट में काफी तरक्की कर रहे हैं। पिछले 3 महीनों में, इम्यूनाइजेशन वैक्सीन की 1 मिलियन डोज और 9.5 टन एंटी-कैंसर दवाएं डिलीवर की गई हैं। दूसरे एरिया में फूड सिक्योरिटी, काउंटर नारकोटिक्स और भूकंप राहत और पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए शिक्षा शामिल हैं।

भारत ने हाल ही में आयोजित हुए टी20 क्रिकेट वर्ल्डकप में अफगानिस्तान के बेहतरीन प्रदर्शन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि भारत को उनके सफर का हिस्सा बनकर गर्व है। भारतीय राजदूत ने पाकिस्तान का नाम लिए बगैर इशारों में कहा कि भारत अफगान इलाके पर हवाई हमलों की कड़ी निंदा करता है। उन्होंने पाकिस्तान को खरी-खोटी सुनाते हुए कहा कि रमजान के पवित्र महीने में हमले करते समय इंटरनेशनल कानून और इस्लामिक एकता के सिद्धांतों का हवाला देना पाखंड है, जिससे बड़ी संख्या में आम लोगों की मौत हुई है।

भारतीय प्रतिनिधि ने कहा सिर्फ इंटरनेशनल कम्युनिटी की मिलकर की गई कोशिशों से ही यह पक्का होगा कि आईएसआईएल/अल-कायदा और लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे उनके साथी तथा द रेजिस्टेंस फ्रंट जैसे प्रॉक्सी, साथ ही उनके ऑपरेशन में मदद करने वाले लोग, अब क्रॉस-बॉर्डर टेररिज़्म में शामिल न हों। हरीश ने भरोसा जताया कि भारत हमेशा अफगान समाज की जरूरतों और उम्मीदों के लिए हमेशा खड़ा रहेगा। अंत में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय ताकतों को अलर्ट करते हुए कहा कि भारत पॉजिटिव कामों को बढ़ावा देने की अहमियत दोहराता है, मगर इंटरनेशनल कम्युनिटी को हमेशा की तरह महज 'चलने वाला तरीका' छोड़कर तेज पॉलिसी अपनानी चाहिए।

आईटी विभाग घोटाला: हाईकोर्ट सख्त, डीआईजी से तीन दिन में मांगी भ्रष्ट अधिकारियों की सूची

सैंकड़ों करोड़ के घोटालों की जांच में ढिलाई पर नाराज़गी, कोर्ट बोला- भ्रष्टाचार बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे

स्मार्ट हलचल

जयपुर/ भीलवाड़ा। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग में पिछले कुछ वर्षों में हुए सैंकड़ों करोड़ रुपये के कथित घोटालों की जांच में देरी को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। न्यायालय ने एसीबी को फटकार लगाते हुए डीआईजी को निर्देश दिया कि भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों की सूची तीन दिन के भीतर अदालत में पेश की जाए।

मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता डॉ. टी.एन. शर्मा की ओर से अधिवक्ता पूनमचंद भंडारी ने अदालत को बताया कि 6 सितंबर 2024 के आदेश के बावजूद अब तक जांच में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को दस्तावेजों सहित कई शिकायतें दी हैं और 2 मार्च 2026 को भी ई-मेल के जरिए सभी दस्तावेज भेजे गए, लेकिन कार्रवाई नहीं की गई।

एसीबी की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता भुवनेश शर्मा ने जांच के लिए चार सप्ताह का समय मांगा, जिस पर अदालत ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि आदेश से असंतुष्ट हैं तो सुप्रीम कोर्ट जा सकते हैं, लेकिन भ्रष्टाचार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अदालत ने यह भी कहा कि जांच अधिकारी यदि भ्रष्टाचारियों का सहयोग करेगा तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि मामले में डेढ़ वर्ष से अधिक समय बीत चुका है और जांच के लिए छह अकाउंट ऑफिसर भी उपलब्ध कराए जा चुके हैं, इसके बावजूद एसीबी ने सिर्फ एक एफआईआर प्रद्युम्न दीक्षित के खिलाफ दर्ज की है, जिसमें अब तक गिरफ्तारी भी नहीं हुई।

सुनवाई के दौरान कई अनियमितताओं का भी उल्लेख किया गया। इनमें ईपीडीएस प्रोजेक्ट में फर्जी हस्ताक्षरों से कार्य संतुष्टि प्रमाण पत्र जारी कर करोड़ों का भुगतान, राजनेट प्रोजेक्ट में 17,750 डिवाइस के भुगतान के मुकाबले केवल 1,750 डिवाइस लगाने का आरोप तथा डिजिटल पेमेंट किट में जरूरत से कई गुना सब्सक्रिप्शन खरीदने जैसे मामले शामिल हैं।

डीआईजी आनंद शर्मा अदालत में उपस्थित रहे और उन्होंने 13 मार्च तक संबंधित अधिकारियों के नाम अदालत में पेश करने का भरोसा दिया। न्यायाधीश अशोक कुमार जैन ने याचिकाकर्ता को सभी मामलों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। मामले की अगली सुनवाई 13 मार्च को होगी।

श्रद्धा और उल्लास के साथ मना शीतला सप्तमी पर्व, मातेश्वरी को लगा ठंडे व्यंजनों का भोग

महिलाओं ने विधि-विधान से की पूजा-अर्चना; हर तरफ झलके खुशियों के रंग, युवाओं की टोलियों ने रंग-गुलाल उड़ाकर मचाया धमाल

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। कस्बे सहित आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार, 10 मार्च को चैत्र कृष्ण सप्तमी के अवसर पर शीतला माता का पर्व पूरी श्रद्धा, आस्था और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। एक ओर जहां महिलाओं ने सुबह जल्दी उठकर माता की पूजा-अर्चना कर ठंडे व्यंजनों का भोग लगाया, वहीं दूसरी ओर पूरा कस्बा अबीर-गुलाल और रंगोत्सव की मस्ती में सराबोर नजर आया।

रांधा पोवा और ठंडे व्यंजनों का लगा भोग:

होलीका दहन के बाद सप्तमी को शीतला माता के पूजन की सदियों पुरानी परंपरा है। इसी क्रम में सोमवार को घरों में 'रांधा पोवा' (भोजन पकाने की परंपरा) के तहत विभिन्न प्रकार के व्यंजन और मिठाइयां तैयार की गईं। मंगलवार सुबह महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सज-धज कर शीतला माता के मंदिरों में जाकर विधि-विधान से पूजा की। माता को चुनरी ओढ़ाकर ठंडे व्यंजनों का भोग लगाया गया और परिवार व क्षेत्र की खुशहाली की कामना की गई।

निरोगी काया की हुई कामना:

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शीतला माता की पूजा में केवल ठंडे भोग का ही उपयोग किया जाता है। माना जाता है कि माता की आराधना करने से परिवार में बीमारियां दूर होती हैं, असाध्य रोगों से मुक्ति मिलती है और घर में सुख-समृद्धि का वास होता है।

अबीर-गुलाल और ओलिया के स्वाद से महका कस्बा:

पूजा-अर्चना के बाद लाडपुरा में रंगों का खुमार छा गया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में रंगोत्सव का भारी उत्साह देखने को मिला। युवाओं की टोलियों ने फाग गीतों की धुनों पर थिरकते हुए और एक-दूसरे पर पुष्प व गुलाल-अबीर उड़ाते हुए पारंपरिक अंदाज में होली मनाई। पुरुषों ने जमकर रंग खेला और स्नान के बाद सभी ने एक-दूसरे के घर जाकर विशेष व्यंजन 'ओलिया' और मिठाइयों का स्वाद लिया। प्रेम और भाईचारे के इस पर्व पर कस्बे की सड़कें अबीर-गुलाल से रंगीन हो गईं।

डीएसटी व बड़लियास पुलिस की अवैध बजरी खनन पर कार्रवाई

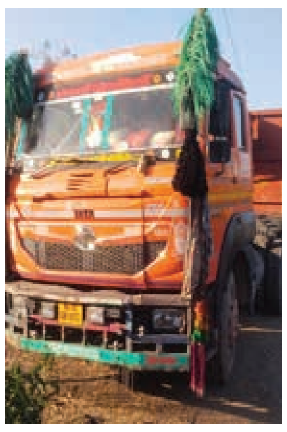

जेसीबी व ट्रेलर जप्त

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। क्षेत्र के गेता पारोली के समीप बनास नदी में जिला स्पेशल टीम व बड़लियास थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए, एक ट्रेलर और एक जेसीबी मशीन को जप्त किया । थाना प्रभारी मुन्नीराम चोयल ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक के निदेशानुसार अवैध बजरी खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत डीएसटी व पुलिस ने गेता पारोली के समीप बनास नदी में दबिश देकर अवैध बजरी परिवहन करते हुए एक ट्रेलर व एक जेसीबी मशीन को जप्त कर थाने लाकर खड़ा किया । इस कार्रवाई में दिवान बजरंग लाल, कांस्टेबल सूरज्ञान, अनिल कुमार अशोक महिया व दिनेश कुमार शामिल थे।

ग्वालियर रियासत के 12 गांवो में सप्तमी के रंगो की बहार, जम कर खेला रंग

महिलाओं ने की शीतला माता की पूजा

स्मार्ट हलचल| गंगापुर

कस्बे में शीतला सप्तमी को लेकर मंगलवार को दिन भर रंग खेलने का सिलसिला चलता रहा, समुचा क़स्बा लाल रंग में रंग गया। सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त के बीच हर्सोल्लास से मनाई शीतला सप्तमी। जानकारी के अनुसार शीतला सप्तमी को लेकर कस्बेवासीयों में अपार उत्साह का माहौल देखा गया। सुबह से रंग खेलने का दौर प्रारम्भ हुआ जो देखते ही देखते दोहपर तक परवान चढ गया। बच्चे, युवा, बुर्जुग व महिलाऐं भी इस से अछुती नहीं रही। सबने मिल कर प्यार का रंग एक दुसरे को लगा कर बधाई दी। मुख्य बस स्टैंड पर डीजे की धुन पर रंग खेलते हैं वह नाचते हुए युवा वर्ग का जोश देखने काबिल था।

कस्बे के समुचे मार्ग लाल रंग में रंगे नजर आने लगे। युवा वर्ग ने आज जम करके कपड़े फाड़ होली खेली मार्ग से निकलने वाले को रंग लगाया एवं कपड़े फाड़े गऐं। सम्पुर्ण कस्बेवासीयों ने जम कर आज खेला रंग, इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त भी किए गए। त्योहार के अपार उत्साह को देखते हुए कस्बे के सभी मुख्य चौराहे पर पुलिस का जाप्ता तैनात किया गया।

चल पड़ा समाज के लोगो का मिलने का दौर

शीतला सप्तमी को लेकर दोहपर बाद कस्बे में समाज के लोगो द्वारा सभी समाज के व्यक्तियों के घर जाकर उन्हे बधाई देने का दौर शुरू हुआ जो शाम तक चलता रहा। इसमें ब्राह्मण समाज, प्रजापत, तेली व माली समाज के लोगो ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया।

जम कर लुत्फ उठाया ओलिए का

रंगो के इस आखरी त्योहार को लेकर कस्बेवासीयों में दही का बना मीठा ओलिया खाने व खिलाने का दौर दिन भर चला, जाहा भी जाऐ आज दही का बना ओलिया ही परोसा जा रहा था।

गंगापुर में दिन भर बंद रहे बाजार

शीतला सप्तमी को लेकर आज कस्बे के सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान पुरे दिन बंद रहे। खेल के अपार उत्साह को लेकर आज कस्बे में चाय व पान की दुकानें भी बंद रही। वही कस्बे में सभी परिवहन के साधन भी दोपहर तक पुरी तरहा बंद रहे।

महिलाओं ने की शितला माता की पूजा

प्रातः महिलाओ ने शीतला माता की पुजा अर्चना की, धरो में नहीं जले आज चुल्हे सब ने ठंडा खाना खाया। महिलाओ ने शीतला माता की काहानीया कह कर माता की बैल पहनी। परिवार की सलामती के लिए आज महिलाओं सहीत सभी ने ठण्डा भोजन ही ग्रहण किया।

लाडपुरा ग्राम में चारभुजानाथ के संग खेली होली, शोभायात्रा में उमड़ा जन सैलाब

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। कस्बे में मंगलवार को शीतला सप्तमी पर चारभुजानाथ मंदिर के सानिध्य में लोगों ने भगवान चारभुजा नाथ के संग रंग अबीर गुलाल से रंगों की होली खेली। शाम 8:15 बजे से भगवान चारभुजा नाथ का बेवाण की शोभायात्रा निकाली गई। जगह जगह भगवान चारभुजा की आरती एवं प्रसाद चढ़ाया गया। शोभायात्रा ग्राम का भ्रमण करते विभिन्न मार्गों से होती हुई पुष्पवर्षा के साथ रात्रि 12.15 बजे पुनः चारभुजा नाथ मंदिर पहुंची। जहां श्रद्धालुओं ने भगवान चारभुजा नाथ की आरती की। इस दौरान चारभुजा नाथ का बेवाण गांव भ्रमण पश्चात मंदिर पर पहुंचने के बाद गैर नृत्य का कार्यक्रम में गैर नृत्य आयोजन हुआ और गैर नृत्य समापन हुआ। इस अवसर पर होली की शुभकामनाएं दी एवं भगवान चारभुजानाथ का आशीर्वाद लिया।

फूले का महिला शिक्षा के क्षेत्र में योगदान सराहनीयः माली

सावित्री बाई फूले की 129वीं पुण्यतिथि मनाई

स्मार्ट हलचल

गुरला। तमाम भारतीय दलित महिला आंदोलन के साथ-साथ महात्मा ज्योतिराव फूले के लिए भी सावित्री बाई फूले का योगदान सराहनीय रहा। सावित्री बाई फूले देश में महिला शिक्षा की अग्रदूत है भारत में प्रथम महिला शिक्षिका के रूप में ख्यात सावित्री बाई फूले आज के इस दौर में भी महिलाओं के लिए प्रेरणा का बड़ा अध्याय है। यह विचार फूले सेवा संस्थान के अध्यक्ष गोपाल लाल माली ने सावित्री बाई फूले की 129वीं पुण्यतिथि पर आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में व्यक्त किये।

कार्यक्रम के पूर्व फूले के अनुयायियों द्वारा देवरिया बालाजी के पास स्थित महात्मा ज्योतिबा फूले मूर्ति परिसर में सावित्री बाई फूले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धाजंली दी और उन्हें नमन करते हुए उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश माली (सैनी) महासभा के जिला महामंत्री सत्यनारायण माली, जिला मंत्री मूरलीधर सैनी, जिला यूनेस्को संगठन के अध्यक्ष ललित अग्रवाल, यूनेस्को की प्रवक्ता श्रीमती मधु लोढा, फूले सेवा संस्थान के कोषाध्यक्ष शंकर लाल गोयल, माली समाज सम्पत्ति ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष बंशी लाल माली, माली सैनी कर्मचारी संस्थान के सचिव कन्हैया लाल बुलीवाल, भैरूलाल माली, लक्ष्मण सरिवाल, सुरेन्द्र सैनी, सम्पत बुलिवाल, मोहन बुलिवाल, सोशल मीडिया प्रभारी रोशन माली, चौथमल माली सहित कई लोग उपस्थित थे।

भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा चुनाव प्रक्रिया शुरू, चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति

रतन लाल मंडोवरा बने जिला मुख्य चुनाव अधिकारी, पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा हेतु राधेश्याम सोमानी हुए चुनाव अधिकारी नियुक्त

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के निर्देशानुसार आगामी सत्र के श्रंखलाबद्ध संगठन के चुनाव हेतु महासभा के मुख्य चुनाव अधिकारी सतीश चरखा ने पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा हेतु चुनाव अधिकारी राधेश्याम सोमानी (पूर्व प्रदेश अध्यक्ष द.रा. प्रदेश माहेश्वरी सभा) को नियुक्त किया। जिला सभा मंत्री रमेश चंद्र राठी ने बताया की केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी रतन लाल मंडोवरा, चुनाव अधिकारी लक्ष्मी नारायण सोमानी एवं तेजकरण बहेडिया को नियुक्त कर जिला सभा, नगर/तहसील, क्षेत्रीय सभा, ग्राम सभा के चुनाव संपादित करवा कर के अंचल के चुनाव अधिकारी को रिपोर्ट करेंगे।

राधेश्याम सोमानी · रतन लाल मंडोवरा

केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा अप्रैल 2026 तक तहसील सभाओं/नगर सभाओं के चुनाव कराने एवं जून 2026 तक जिला सभा के चुनाव कराने के निर्देश दिए। भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा द्वारा आगामी सत्र के चुनाव हेतु तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है। सभा पदाधिकारियों ने बताया कि चुनाव निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए अनुभवी सदस्यों को चुनाव अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। चुनाव अधिकारी संपूर्ण प्रक्रिया की निगरानी करेंगे और निर्धारित नियमों के अनुसार चुनाव संपन्न कराएंगे। साथ ही जिला अध्यक्ष अशोक बाहेती ने सभी सदस्यों से अपील की है कि वे संगठन की परंपरा और अनुशासन को बनाए रखते हुए चुनाव प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

बनाया रांधा-पोवा , बुधवार को खेलेंगे शीतला अष्टमी

शीतला माता को किया शीतल, सुनी दशा माता की कहानियां

स्मार्ट हलचल| काछोला

कस्बे सहित क्षेत्र में बुधवार को शीतला अष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। पर्व को लेकर मंगलवार को महिलाएं रांधा-पोआ किया। मीठे व तले पकवान, दही का ओल्या, चावल, पचकूटा आदि व्यंजन बनाए गए। इन व्यंजनों का शीतला माता को भोग लगाकर घर परिवार के स्वास्थ्य व समृद्धि की कामना की जाएगी। बुधवार सुबह से शीतला माता की पूजा-अर्चना शुरू होगी। रंग-गुलाल खेला जाएगा। मंगलवार को कस्बे में किराना,मिठाइयों की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ रही।

बसौड़ा पूजा-

बसौड़ा हिन्दू धर्म में एक महत्वपूर्ण त्योहार है। शीतला अष्टमी को बसौड़ा पूजा के नाम से भी जाना जाता है। बसौड़ा पूजा, शीतला माता को समर्पित लोकप्रिय त्योहार है। यह त्योहार चैत्र मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मनाया जाता है। आमतौर पर यह होली के आठ दिनों के बाद पड़ता है लेकिन कई लोग इसे होली के बाद पहले सोमवार या शुक्रवार को मनाते हैं।

शीतला माता को बासी भोजन का भोग लगाने की परंपरा

बच्चों को बीमारियों से दूर रखने के लिए और उनकी खुशहाली के लिए इस त्योहार को मनाने की परंपरा बरसों से चली आ रही है। कुछ स्थानों पर शीतला अष्टमी को बासौड़ा भी कहा जाता है। इस दिन माता शीतला की बासी भोजन का भोग लगाने की परंपरा है और स्वयं भी प्रसाद के रूप में बासी भोजन ही करना होता है। नाम के अनुसार ही शीतला माता को शीतल चीजें पसंद हैं। मां शीतला का उल्लेख सर्वप्रथम स्कन्दपुराण में मिलता है। इनका स्वरूप अत्यंत शीतल है और कष्ट-रोग हरने वाली हैं। गधा इनकी सवारी है और हाथों में कलश, सूप, झाडू और नीम के पत्ते हैं। मुख्य रूप से इनकी उपासना गर्मी के मौसम में की जाती है।

शीतला सप्तमी का पूजन आज होगा

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/ अजमेर। पुष्कर के बड़ी बस्ती व छोटी बस्ती स्थित शीतला माता का पूजन बुधवार को होगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुष्कर में छोटी व बड़ी बस्ती में शीतला माता की बहुत जल्दी प्रातः ही शुरू होगी । महिलाएँ जल्दी ही माता के ठंडे का भोग लगायेंगी

ख़ास बात यह है कि शीतला माता, शीलसप्तमी के दिन ही पूजी जाती रही हैं, लेकिन इस बार कड़वा वार मंगलवार को होने से माता की पूजन बुधवार को होगी। प्रतिवर्ष की भाँति जगह जगह मंदिरों में मंगलवार भजन संध्या देर रात होगी। वैसे कई कालोनियों में लम्बी दूरी के हिसाब से मंदिर बना लिए हैं , महिलाएँ वहीं पूजन करेगी ।

प्रधानमंत्री किसान की 22वीं किस्त पर लगी मुहर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 मार्च को किसानों के बैंक खातों में 2000 रुपये ट्रांसफर करेंगे

स्मार्ट हलचल|नई दिल्ली

देश के करोड़ों अन्नदाताओं के लिए बड़ी खुशखबरी है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 13 मार्च 2026 को 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' योजना की बहुप्रतीक्षित 22वीं किस्त जारी कर सकते हैं. रिपोर्ट्स के अनुसार, पीएम मोदी एक भव्य कार्यक्रम के दौरान रिमोट का बटन दबाकर सीधे किसानों के बैंक खातों में 2,000-2,000 रुपये ट्रांसफर करेंगे. हालांकि, इस बार भी लाखों किसान ऐसे होंगे जिनके खाते में यह राशि नहीं पहुंचेगी. सरकार ने अपात्र लाभार्थियों की पहचान के लिए नियमों को काफी सख्त कर दिया है.पीएम किसान योजना का लाभ केवल उन्हीं किसानों को मिलेगा जिन्होंने अपनी कागजी कार्यवाही पूरी कर ली है. अगर आप नीचे दी गई शर्तों को पूरा नहीं करते हैं, तो आपकी किस्त रोकी जा सकती हैः सरकार ने सभी लाभार्थियों के लिए ई-केवाइसी अनिवार्य कर दिया है. जिन किसानों ने अभी तक पीएम किसान पोर्टल पर जाकर या नजदीकी CSC केंद्र से अपनी ई-केवाइसी अपडेट नहीं कराई है, उन्हें 22वीं किस्त से वंचित रहना पड़ सकता है. योजना में पारदर्शिता लाने के लिए सरकार ने 'लैंड सीडिंग' को अनिवार्य बनाया है. यदि आपके आवेदन में भूमि के दस्तावेजों का सत्यापन 'No' दिखा रहा है, तो पैसा नहीं आएगा. इसके लिए आपको अपने क्षेत्र के लेखपाल या कृषि विभाग से संपर्क करना होगा।

मेवाड़ चैम्बर में पीएम विश्वकर्मा योजना पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित

पारंपरिक पेशा वर्ग से जुड़े 100 से अधिक सूक्ष्म उद्यमियों ने लिया भाग

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। एमएसएमई विकास कार्यालय जयपुर एवं मेवाड़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री के संयुक्त तत्वावधान में मेवाड़ चैम्बर भवन में पीएम विश्वकर्मा योजना पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में भीलवाड़ा जिले के पारंपरिक पेशा वर्ग जैसे सुथार, सुनार, राजमिस्त्री, कुम्हार, मोची, लुहार, नाई आदि से जुड़े 100 से अधिक सूक्ष्म उद्यमियों ने भाग लिया। कार्यशाला के दौरान उद्यमियों को उद्यम प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण की प्रक्रिया तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यशाला के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री की यह योजना पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को उनके उत्पादों और सेवाओं के लिए शुरू से अंत तक समग्र सहायता प्रदान करने की दूरदर्शी पहल है। इसके तहत कारीगरों और शिल्पकारों को 'विश्वकर्मा' के रूप में मान्यता दी जा रही है और उन्हें योजना के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के लाभ प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से जो कारीगर पहले दूसरों के यहां नौकरी करते थे, वे अब स्वयं सक्षम बनकर दूसरों को भी रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं। लीड बैंक मैनेजर अशोक पांडे ने उद्यमियों को बैंक की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक के.के. मीणा ने जिले में पीएम विश्वकर्मा योजना की प्रगति पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान गजानंद बोहरा ने उपस्थित लाभार्थियों को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया एवं डिजिटल मार्केटिंग के माध्यम से अपने उत्पादों को देश-विदेश के ग्राहकों तक पहुंचाने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के प्रारंभ में मेवाड़ चैम्बर के संयुक्त सचिव एन.के. जैन ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया, जबकि एमएसएमई विकास कार्यालय जयपुर के सहायक निदेशक मधुकर शर्मा ने आभार व्यक्त किया। सेमिनार में बड़ी संख्या में योजना के लाभार्थी, उद्यमी एवं संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

छात्राओं को मिलेगी साइबर सुरक्षा और कानूनी अधिकारों की जानकारी, 12 मार्च को ऑनलाइन जागरूकता सत्र

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में पुलिस विभाग की पहल, वेबेक्स के माध्यम से दो सत्रों में विशेषज्ञ देंगे मार्गदर्शन

स्मार्ट हलचल|जयपुर

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में छात्राओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और साइबर जागरूकता के प्रति सजग करने के उद्देश्य से 12 मार्च को एक विशेष ऑनलाइन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम वेबेक्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से आयोजित होगा, जिसमें स्कूल और कॉलेजों में अध्ययनरत अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं को शामिल करने का प्रयास किया जा रहा है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस सिविल राइट्स एवं एएचटी लता मनोज कुमार ने बताया कि इस ऑनलाइन बैठक का उद्देश्य डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, महिलाओं की सुरक्षा के लिए चल रही विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देना तथा राजकॉप एप जैसे सुरक्षा से जुड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग के बारे में अवगत कराना है। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को कानून और उनके अधिकारों के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के तहत दो अलग-अलग सत्र आयोजित किए जाएंगे। पहला सत्र सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें डिजिटल युग में साइबर जागरूकता एवं महिला सुरक्षा विषय पर उप महानिरीक्षक साइबर अपराध श्री विकास शर्मा विद्यार्थियों को संबोधित करेंगे। इस दौरान वे साइबर अपराधों से बचाव, सुरक्षित इंटरनेट उपयोग और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी देंगे।

दूसरा सत्र दोपहर 12:01 बजे से 1:00 बजे तक आयोजित होगा। इस सत्र में उप महानिरीक्षक अपराध शाखा श्री दीपक भार्गव नवीन न्याय संहिता एवं महिला सुरक्षा विषय पर जानकारी देंगे। वे नए आपराधिक कानूनों और महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण प्रावधानों के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराएंगे। इस पहल का उद्देश्य युवा पीढ़ी को जागरूक बनाना और उन्हें डिजिटल तथा सामाजिक परिवेश में सुरक्षित रहने के लिए आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपने अधिकारों को समझ सकें और किसी भी प्रकार के अपराध से बचाव कर सकें।

पलाश के फूल धरती का बढ़ा रहे हैं सौंदर्य, सुगंध से महक रहा है आसपास का क्षेत्र

शीतलाष्टमी पर्व पर खेलेंगे फूलों के रंग की गोली

स्मार्ट हलचल| काछोला

कस्बे सहित क्षेत्र के मैदानी क्षेत्र हो या पहाड़ी क्षेत्र इन दिनों पलाश के फूल खिल रहे हैं, इससे पूरे क्षेत्र में लालिमा बिखरी हुई है जो लोगों को आकर्षित कर रही हैं । मौसम में बदलाव के साथ ही पलाश के पेड़ों की शाखाएं सूखकर के फूलों से लग रही है क्षेत्र में कई जगह फूल हर किसी को लुभा रहे हैं ।

देते है संदेश -

यही के रंगो का उत्सव इन फूलों से बना रंग सेहत के लिए हानिकारक नहीं होता इसलिए इन्हें तोड़कर लोग ले जाते हैं ताकि इससे कैसरिया रंग से होली खेलते है।रंग तेरस पर फूलों को भिगोकर रंग तैयार कर होली खेलेंगे।

यह है उपयोग - पलाश के फूलों में कई औषधीय गुण होते हैं पलाश के पेड़ के फूल और जड़ से ओषधियां बनाई जाती है और पौराणिक काल से ही इसका प्रयोग किया जाता रहा है।

पलाश से महक रहा है वातावरण - इन दिनों पलाश के फूलों की बहार है, एक जमाने में इसे होली के रंग बनाने में प्रयोग किया जाता था लाल रंग के इस खूबसूरत फूलों को लोग होली के कई दिनों पहले सही पानी में भिगोकर रख देते थे और फिर उबालकर इससे रंग बनाते थे इस रंग से होली खेली जाती थी और इसकी

खुशबू से सारा वातावरण महकता था।।

आज भी इसे मथुरा वृंदावन और शांतिकुंज में प्रयोग किया जाता है कई जगहों के नाम से भी जाना जाता है दिखता है सुंदर नजारा- मैदान हो या पर्वत या रेगिस्तान या नदी के तट पर पलाश के फूलों की बहार आने से बहुत सुंदर नजारा देखने को मिला है। तालाब की पाल पर लगे पलास के पौधों पर खिले नारंगी रंग के फूलों की महक से आसपास का क्षेत्र सुगंधित बना हुआ है नारंगी रंग के फूल दूर से प्रताप सागर तालाब की शोभा बढ़ा रहे है यही कस्बे सहित क्षेत्र में बहुत सुंदर नजारा देखने को मिल रहा है पलाश के पौधों से पतझड़ में सारी पत्ते गिर जाने के बाद अब फूल खिल रहे हैं जिसे हर कोई पलाश फूलों को देख कर आनंदित हो रहा है वही क्षेत्र से गुजरने वाले वाहन चालक अपने वाहनों को रोककर पलाश के खिले फूलों का नजारा देखने के लिए अपने वाहन रोककर सेल्फी ले रहे हैं यह अपनी खूबसूरत नजारे को अपने कैमरे में कैद कर रहे हैं।

फूलों से बनाते रंग

पलाश के लाखों पौधे हुआ करते थे फूलों के घरों से फूलों को पेड़ों से गिरने के बाद लोग उनको जमीन से चुनते थे।मिट्टी के बर्तन में भिगोकर रंग बनाते हैं, उस रंग से होली खेला करते है । लेकिन समय की आधुनिकता और व्यस्तता के चलते प्रकृति के सुंदर रंग को लोग भूल चुके हैं। लेकिन प्रकृति आज भी अपनी अदभुद्ता से हर एक को प्रकृति संरक्षण का संदेश दे रही है।

भगवान लक्ष्मी नाथ मंदिर निर्माण में एक लाख एक हजार की राशि भेंट

स्मार्ट हलचल

आकोला। कस्बे के निकटवर्ती गेगा का खेड़ा गांव में मंगलवार को भगवान लक्ष्मी नाथ मंदिर निर्माण में एक लाख एक हजार रुपये की राशि भेंट की। पुजारी दिनेश जोशी ने बताया कि कस्बे के ही सत्यनारायण पुत्र शंकर लाल भुवालिया ने भगवान लक्ष्मीनाथ मंदिर निर्माण में एक लाख एक हजार रुपये की राशि भेंट की की राशि भेंट की। पुजारी श्री जोशी ने बताया कि इन दिनों कस्बे के प्रमुख लक्ष्मीनाथ भगवान मंदिर का नवनिर्माण कार्य चल रहा है। तथा यह मंदिर सफेद संगमरमर का बनेगा यह राशि मंदिर निर्माण में काम में ली जाएगी। इस मौके पर समिति कोषाध्यक्ष चंद्र प्रकाश उपाध्याय, समिति सदस्य बंशीलाल पुरोहित, चंद्र प्रकाश त्रिपाठी , विमल कुमार आचार्य, सुनील तिवाडी सहित ग्रामीण उपस्थित थे। ग्रामीणों ने राशि भेंट करने पर स्वागत किया।

चंदेरिया में प्रस्तावित फर्टीलाइजर प्लांट की जनसुनवाई सम्पन्न

क्षेत्र में विकास को मिलेगी नई रफ्तार, करीब 5000 लोगों को रोजगार मिलेगा, सुरक्षा व पर्यावरण पर खर्च होंगे 100 करोड़

कम्पनी का ग्रामीणों की अपेक्षाओ पर खरा उतरने का वादा

स्मार्ट हलचल

शंभूपुरा। हिंदुस्तान जिंक के चंदेरिया स्मेल्टिंग कॉम्प्लेक्स में प्रस्तावित अत्याधुनिक खाद संयंत्र को लेकर आयोजित जनसुनवाई में पर्यावरण संरक्षण, क्षेत्रीय विकास, रोजगार और किसान हित को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई। करीब 2700 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित होने वाले इस संयंत्र से जहां खाद उत्पादन बढ़ेगा, वहीं स्थानीय स्तर पर रोजगार और सामाजिक विकास के नए अवसर बनने की उम्मीद जताई गई। सगरा माता मेला परिसर में आयोजित जनसुनवाई का संचालन राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से किया गया। प्रशासन की ओर से अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामचंद्र खटीक, क्षेत्रीय अधिकारी आशीष बोरासी तथा गंगरार उपखंड अधिकारी पुनित कुमार गेलरा ने ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों के विचार दर्ज किए।

चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर के लोकेशन हेड आलोक रंजन ने बताया कि प्रस्तावित संयंत्र दो चरणों में स्थापित होगा, जिसकी कुल उत्पादन क्षमता 10 लाख टन प्रतिवर्ष रहेगी। इसमें डाई अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी), एनपीके और अमोनियम फॉस्फेट सल्फेट जैसे उर्वरकों का उत्पादन किया जाएगा। इससे राजस्थान सहित आसपास के क्षेत्रों के किसानों को गुणवत्तापूर्ण खाद उपलब्ध हो सकेगी और कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी की संभावना बनेगी। कंपनी के अनुसार संयंत्र में विश्वस्तरीय एचडीएच और पीएन प्लस तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जिससे खाद के प्रत्येक दाने में पोषक तत्वों की समानता बनी रहेगी। धूल रहित और मजबूत दानों के कारण किसानों के लिए इसका उपयोग और भंडारण आसान होगा।

पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय रोजगार, कौशल विकास पर फोकस

परियोजना में पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता दी गई है। संयंत्र में सुरक्षा और पर्यावरण मानकों के लिए करीब 100 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। साथ ही स्मेल्टर में उत्पादित सल्फ्यूरिक एसिड का उपयोग कच्चे माल के रूप में किया जाएगा, जिससे संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव होगा। कंपनी के अनुसार संयंत्र के निर्माण और संचालन के दौरान लगभग 5000 लोगों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। प्रबंधन ने आश्वासन दिया कि रोजगार में 80 प्रतिशत तक स्थानीय लोगों को प्राथमिकता देने का प्रयास किया जाएगा, जिसमें महिलाओं को भी विशेष अवसर दिए जाएंगे।

जनसुनवाई में ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने स्थानीय युवाओं को जिंक कौशल विकास केंद्र से जोड़कर रोजगार उपलब्ध कराने, सीएसआर योजनाओं का दायरा बढ़ाने और क्षेत्रीय विकास को प्राथमिकता देने की मांग रखी। कंपनी ने बताया कि कौशल विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छ पेयजल, पशुधन सहायता और आधुनिक कृषि प्रशिक्षण जैसी योजनाओं के माध्यम से आसपास के गांवों में सामाजिक विकास के प्रयास जारी रहेंगे।

जनसुनवाई में आजोलिया का खेड़ा सरपंच जगदीश जाट, सुभाष शर्मा, पुठोली प्रशासक महिपाल सिंह, उपसरपंच चंद्रभान सिंह, कंथारिया सरपंच कालूराम जाट, देवकिशन जाट, पूर्व सरपंच चोगावड़ी रवीन्द्र सिंह, परमेश्वर जाट, सतपुड़ा से राजू सिंह, रमेश जाट, ज्योति जोशी, प्रियंका जांगीड़, शीतल मेनारिया, गोटिया चुंडावत, मिठ्ठूलाल, हरीश बैरवा, नगरी से रिंकू मेघवाल, दुर्गेश तिवारी, नितेश जाट, हेमंतराज तेली सहित अन्य जनप्रतिनिधि, ग्रामीण, युवा व महिलाएं उपस्थित रहे। इसके साथ ही हिन्दुस्तान जिंक की सीएसआर परियोजनाओं, सखी, समाधान, खुशी, शिक्षा संबल, कौशल विकास और स्वास्थ्य सेवा से जुड़े लाभार्थी भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

शीतला सप्तमी धूमधाम से मनाई

शीतला माता की पूजा की ओर बनाया बासोड़ा, खेला रंग

स्मार्ट हलचल

बनेड़ा। कस्बे में शितला सप्तमी के अवसर पर मंगलवार को महिलाओं ने शितला माता की पूजा अर्चना कर के बासेडा का भोग लगाकर परिवार की सुख समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना कि। शितला सप्तमी के पावन अवसर पर मध्य रात्रि के बाद से ही महिलाएं समुह मे गीत गाते हुए। शितला माता मंदिर पहुंच कर के पुजा अर्चना करने का दौर शुरू हुआ जो कि सुबह तक चलता रहा। सुबह नौ बजे से ही बच्चे की टोलिया रंग खेलने लगी। जैसे जैसे समय बितता गया उसी प्रकार रंग खेलने का दौर शुरू हुआ। जिसमें युवक युवतियों के साथ ही महिला पुरूष गुलाल अबीर के साथ रंग खेलने का दौर दोपहर तक चलता रहा। इसके पश्चात नहाने धोने के बाद एक दुसरे के यहा पर खट्टा मिठा ओलिया और विभिन्न प्रकार के व्यजनो का लुफ्त उठाने का दौर शुरू हुआ। जो कि देर शाम तक चलता रहा।

रेवेन्यू मामलों की सुनवाई के लिए बनी कमेटी का स्वागत

वकीलों की समस्याओं के समाधान का आश्वासन

स्मार्ट हलचल

भीलवाडा। जिला अभिभाषक संस्था द्वारा रेवेन्यू संबंधी मामलों की सुनवाई एवं कलेक्ट्रेट परिसर में अधिवक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए गठित नई कमेटी का बार रूम में स्वागत किया गया।

संस्था अध्यक्ष उम्मेदसिंह राठौड़, उपाध्यक्ष महिपाल सिंह राठौड़ और महासचिव पंकज दाधीच के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने नवगठित कमेटी के सदस्यों रणवीर सिंह राणावत, मांगीलाल सेन, सुरेशचंद्र सुवालका व जगदीशचंद्र दाधीच का तिलक, माला व मिठाई खिलाकर अभिनंदन किया।

रेवेन्यू महासचिव मनोहरलाल बुनकर ने बताया कि बैठक में कलेक्ट्रेट परिसर में अधिवक्ताओं को आ रही समस्याओं पर चर्चा की गई। वकीलों ने पानी की समस्या, सफाई व्यवस्था, बार रूम के रंग-रोगन और बैठने की समुचित व्यवस्था सहित अन्य मुद्दे उठाए।

कमेटी ने इन समस्याओं के त्वरित समाधान और प्रशासनिक अधिकारियों व अधिवक्ताओं के बीच बेहतर समन्वय का आश्वासन दिया। बैठक में पीरू सिंह गौड़, अनिल पारीक, सरिता स्वर्णकार सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

विनीमा जांगिड़ प्रदेश में रही प्रथम

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) द्वारा आयोजित सहायक आचार्य (संगीत गायन) प्रतियोगी परीक्षा में उदयपुर की प्रतिभाशाली छात्रा विनीमा जांगिड़ ने पूरे राजस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त कर मेवाड़ क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है।

विनीमा जांगिड़, उदयपुर के मीरा कन्या महाविद्यालय की पूर्व छात्रा हैं। उन्होंने वर्ष 2016 में संगीत विषय में एम.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की थी और इस दौरान स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) भी प्राप्त किया। अपनी मेहनत और लगन के बल पर उन्होंने तीन बार नेट और सेट परीक्षा भी उत्तीर्ण की है, जो उनकी शैक्षणिक प्रतिभा और समर्पण को दर्शाता है।

वर्तमान में विनीमा जांगिड़ जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर में डॉ. स्वाति शर्मा के मार्गदर्शन में संगीत विषय में शोध कार्य कर रही हैं।

अपनी इस उल्लेखनीय सफलता का श्रेय उन्होंने अपने माता-पिता, गुरु डॉ. सीमा राठौड़, डॉ. दुष्यंत त्रिपाठी सहित सभी संगीत गुरुओं, परिवारजनों और मित्रों को दिया है। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग, मार्गदर्शन और प्रेरणा से ही वे यह उपलब्धि हासिल कर सकीं।

विनीमा जांगिड़ की इस शानदार सफलता पर मेवाड़ क्षेत्र के शिक्षाविदों, संगीत प्रेमियों और क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

जय राणा प्रताप सेना का मेवाड़ क्षत्रिय सेना में विलय, संगठन को मिलेगा नया विस्तार

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

क्षत्रिय धर्म की विचारधारा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए जय राणा प्रताप सेना का मेवाड़ क्षत्रिय सेना में विलय कर दिया गया। इस निर्णय को संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सर्वसम्मति से स्वीकार किया।

जानकारी के अनुसार, मेवाड़ क्षत्रिय सेना के पदाधिकारियों के कार्यकाल और संगठन की भावी रणनीति को ध्यान में रखते हुए महिला इकाई की प्रदेश अध्यक्ष बबली कंवर मेड़तिया (ठिकाना मडपिया, मेवाड़) तथा मेवाड़ संभाग अध्यक्ष धनराज सिंह पुरावत (ठिकाना अमरतिया) से चर्चा की गई। इसके बाद जय राणा प्रताप सेना के प्रदेश अध्यक्ष शिवराज सिंह राठौड़ (ठिकाना पीथास) ने संगठन के पदाधिकारियों से वार्ता कर यह निर्णय लिया कि जय राणा प्रताप सेना का विलय मेवाड़ क्षत्रिय सेना में किया जाए।

विलय के इस निर्णय को संगठन के सभी सदस्यों ने सकारात्मक रूप से स्वीकार किया। किसी भी सदस्य ने इस पर आपत्ति नहीं जताई, बल्कि पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष शिवराज सिंह राठौड़ के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए कहा कि 'आप संघर्ष करते रहिए, हम सभी आपके साथ हैं। आप जो भी निर्णय करेंगे, वह संगठन और समाज के हित में ही होगा।'

संगठन के पदाधिकारियों का मानना है कि इस विलय से मेवाड़ क्षेत्र में क्षत्रिय समाज को संगठित करने और क्षात्र धर्म की भावना को मजबूत करने में नई ऊर्जा मिलेगी।

न्यायाधीश ने किया कारागृह का निरीक्षण

चित्तौड़गढ़। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव सुनील कुमार गोयल द्वारा मंगलवार को जिला कारागृह का निरीक्षण किया गया।

सचिव गोयल द्वारा रसोईघर, बैरक, शौचालय, स्नानागार का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये गये तथा बंदियों से वार्तालाप कर सुविधाओं की जानकारी ली। बंदियों की विधिक सहायता के लिए संचालित बंदी विधिक सहायता क्लिनिक रजिस्टर की जांच गई। अध्यक्ष द्वारा सभी बंदियों को जेल में संचालित विधिक सहायता क्लिनिक के बारे मे जानकारी देते हुए बताया गया कि यदि कोई वकील बंदी की तरफ से पैरवी नहीं कर रहा है अथवा उसे निःशुल्क अधिवक्ता की आवश्यकता है तो वह विधिक सहायता क्लिनिक के माध्यम से सहायता प्राप्त कर सकता है।

पहलवान लोकेश गुर्जर ने जीता गोल्ड मेडल

चित्तौड़गढ़। बालाजी प्रशिक्षण संस्थान के पहलवान लोकेश गुर्जर ने अन्तर विश्वविद्यालय बिच रेसलिंग चैंम्पियनशिप में गोल्ड मेडल जीता।

बालाजी प्रशिक्षण संस्थान कोषाध्यक्ष बसंती लाल पंचोली ने बताया कि खेल कैलेण्डर वर्ष 2025-26 के लिए हिन्दुस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड साइंस चेन्नई में अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालय बिच रेसलिंग चैंम्पियनशिप के मेजबानी में 7 मार्च से 9 मार्च तक आयोजित प्रतियोगिता में स्थानीय बालाजी प्रशिक्षण संस्थान के पहलवान लोकेश गुर्जर ने 80 प्लस वजन में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

इस प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाला लोकेश राजस्थान का एकमात्र पहलवान रहा। जिसने चित्तौड़गढ़ सहित प्रशिक्षण संस्थान के सचिव, कुश्ती प्रशिक्षक कमलेश गुर्जर का भी नाम रोशन किया।

रोटरी क्लब की कार रैली सम्पन्न

चित्तौड़गढ़। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 द्वारा आयोजित महिला कार रैली शक्ति ऑन व्हील ड्राइव फॉर चेंज का रोटरी क्लब चित्तौड़गढ़ द्वारा स्वागत किया गया।

रोटरी क्लब अध्यक्ष बसंत कुमार हेडा ने बताया कि रोटरी क्लब जयपुर पर्ल के नेतृत्व में निकाली गई इस इस प्रेणादायक रैली का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा के प्रति जागरूकता तथा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। यह रैली सेमलपुरा चौराहा से प्रारंभ हुई, जो शहर में होते हुए रोटरी भवन पहुँची। इस रैली जयपुर से असिस्टेंट गवर्नर अनुराधा शर्मा, प्रेसिडेंट अंजना वर्मा, सचिव राजकुमारी रावत, कोषाध्यक्ष संगीता शर्मा, रेखा शर्मा, कमलेश बोयत, अनीता त्रिवेदी का चित्तौड़गढ़ के सदस्यों द्वारा स्वागत किया गया। इस दौरान रोटरी सदस्य दिलीप पोखरना, नरेन्द्र सावंत, महक जैनानी, मनोज भोजवानी, रूपकिशोर गुप्ता, अमिश गिलुण्डिया, नवीन जैन, रितु पोखरना, सुमन हेड़ा, रितु भोजवानी, मीना जैन, विमलेश गुप्ता, किरण पोसवालिया, रेखा गिलुन्डिया आदि उपस्थित थे। अंत में रोटरी क्लब सचिव राजकमल पोसवालिया ने आभार व्यक्त किया।

शीतला सप्तमी का पर्व मनाया

महुआ में बुधवार को मनाई जाएगी शीतला अष्टमी

स्मार्ट हलचल

आकोला। महुआ कस्बे के निकटवर्ती दौलपुरा गांव में रंगों का त्योहार शीतला सप्तमी मंगलवार को धूमधाम से मनाया गया। ग्रामीणों ने एक दूसरे के रंग गुलाल लगाकर भाईचारे का संदेश दिया। घरों में जाकर दही का औलिया व मिठाइयां खाई।वहीं कस्बे सहित मानपुरा, सारण का खेड़ा, सहित आदि गांवो में शीतला अष्टमी का त्यौहार बुधवार को मनाया जाएगा। इसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।शीतला सप्तमी को लेकर कस्बे में बाजार में अच्छी खासी भीड़ नजर आए।

ओडिशा में 360 करोड़ के निवेश से बडंबा सहकारी चीनी मिल का पुनरुद्धार करेगा आईपीएल

स्मार्ट हलचल | नई दिल्ली

ओडिशा की बडंबा सहकारी चीनी मिल, जो पिछले 15 वर्षों से अधिक समय से बंद पड़ी थी, अब पुनः शुरू होने जा रही है, जिससे क्षेत्र के हजारों किसानों में नई उम्मीद जगी है। इंडियन पोटाश लिमिटेड (आईपीएल) ने बडंबा चीनी मिल के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए लगभग 360 करोड़ के अनुमानित निवेश के साथ ओडिशा सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (ख्श्व) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौता ज्ञापन पर डॉ. पी. एस. गहलौत, प्रबंध निदेशक, इंडियन पोटाश लिमिटेड तथा श्री राजेश प्रभाकर पाटिल, आईएएस, आयुक्त-सह-सचिव, सहकारिता विभाग, ओडिशा सरकार ने 6 मार्च 2026 को हस्ताक्षर किए। यह समझौता केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करने में उनके निरंतर सहयोग ने आईपीएल जैसी सहकारी संस्थाओं को देशभर में बंद पड़ी चीनी मिलों के पुनरुद्धार का कार्य करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस अवसर पर भारत सरकार के केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान जी, ओडिशा की उपमुख्यमंत्री श्रीमती प्रवती परिदा, ओडिशा के उपमुख्यमंत्री श्री कनक वर्धन सिंह देव तथा भुवनेश्वर से सांसद श्रीमती अपराजिता सारंगी भी उपस्थित रहे। समझौते के अनुसार, बडंबा सहकारी चीनी मिल एक वर्ष के भीतर संचालन शुरू करने की उम्मीद है और इसकी क्षमता 3,500 टीसीडी (टन गन्ना प्रति दिन) होगी। इसके साथ ही इसमें 16 मेगावाट का को-जनरेशन पावर प्लांट, 10 टन प्रतिदिन क्षमता का बायो-सीएनजी प्लांट तथा अत्याधुनिक कोल्ड स्टोरेज सुविधा भी स्थापित की जाएगी।

इस परियोजना से कटक जिले के बडंबा ब्लॉक के लगभग 10,000 किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलने की उम्मीद है। इससे राज्य में गन्ना खेती को पुनर्जीवित करने, किसानों की आय बढ़ाने और क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करने में मदद मिलेगी।

गुजरात में तीन बंद पड़ी चीनी मिलों के सफल पुनरुद्धार के अनुभव के आधार पर, केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय के मार्गदर्शन में आईपीएल ने बडंबा सहकारी चीनी मिल के पुनरुद्धार की इस परियोजना को आगे बढ़ाया है। इसके लिए नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज़ लिमिटेड तथा एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड को विस्तृत तकनीकी और वित्तीय व्यवहार्यता अध्ययन के लिए शामिल किया गया।

समझौते के तहत ओडिशा सरकार आईपीएल को मिल और उससे संबंधित अवसंरचना की स्थापना के लिए 112 एकड़ भूमि दीर्घकालिक पट्टे पर उपलब्ध कराएगी। चीनी मिल के पुनरुद्धार का उद्देश्य गन्ना खेती को बढ़ावा देकर किसानों की आय में वृद्धि करना है। गन्ने को आजकल ऊर्जा फसल (श्वठ्ठद्गह्म्द्द4 ष्ह्म्श्श्च) के रूप में भी देखा जा रहा है, क्योंकि इससे एथेनॉल, बिजली और जैव-ईंधन का उत्पादन संभव है। यह परियोजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने, रोजगार के अवसर बढ़ाने और क्षेत्र के किसानों को फिर से गन्ना खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

हाल के वर्षों में आईपीएल ने गुजरात राज्य में तीन बंद पड़ी चीनी मिलों के पुनरुद्धार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिन्हें आधुनिक तकनीक और बेहतर प्रबंधन के माध्यम से सफलतापूर्वक पुनः चालू किया गया। बडंबा सहकारी चीनी मिल का पुनरुद्धार भी इसी मॉडल पर किया जाएगा, जिसमें तकनीकी आधुनिकीकरण और सहकारी भागीदारी का समन्वय होगा, ताकि परियोजना दीर्घकालिक रूप से टिकाऊ बन सके।

इस अवसर पर इंडियन पोटाश लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. पी. एस. गहलौत ने कहाः 'बडंबा चीनी मिल का पुनरुद्धार किसानों के समर्थन और कृषि मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के प्रति आईपीएल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस मिल के पुनः संचालन से हम किसानों के लिए स्थायी अवसर पैदा करना, गन्ना खेती को प्रोत्साहित करना, रोजगार सृजित करना और क्षेत्र के आर्थिक विकास में योगदान देना चाहते हैं। इस परियोजना को सफल बनाने के लिए हम ओडिशा सरकार और स्थानीय किसान समुदाय के साथ मिलकर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

यह पहल स्थानीय किसानों और क्षेत्र के निवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो कई वर्षों से बडंबा चीनी मिल के पुनः संचालन की मांग कर रहे थे। मिल के चालू होने के बाद न केवल क्षेत्र में गन्ना खेती को नया जीवन मिलेगा, बल्कि रोजगार सृजन, ग्रामीण आजीविका को मजबूती और ओडिशा में सहकारिता आंदोलन को भी नई गति मिलेगी।

इंडियन पोटाश लिमिटेड (आईपीएल) भारत की प्रमुख सहकारी कंपनियों में से एक है, जो उर्वरकों और कृषि-इनपुट के आयात, वितरण और विपणन के क्षेत्र में कार्यरत है। समय के साथ आईपीएल ने कृषि-आधारित औद्योगिक क्षेत्रों में भी विविधीकरण किया है और देश में सहकारी तंत्र को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्तमान में कंपनी के पास देशभर में कुल 11 चीनी मिलें हैं–उत्तर प्रदेश में छह, गुजरात में तीन और ओडिशा में दो।

विशेष निरोधात्मक अभियान

प्रदेश में 1 लाख 74 हजार लीटर से अधिक वॉश नष्ट

निरोधात्मक कार्रवाई में 562 केस दर्ज – 556 गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

आबकारी आयुक्त शिवप्रसाद नकाते के निर्देशानुसार प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोक लगाने हेतु जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत प्रभावी कार्यवाही करते हुए फरवरी माह में 1 लाख 74 हजार 137 लीटर वॉश नष्ट किया गया। इसी क्रम में विभिन्न निरोधात्मक कार्यवाही में 562 केस दर्ज करते हुए 556 को गिरफ्तार किया गया।

आबकारी आयुक्त के अनुसार प्रदेश में जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर अंकुश लगाने के लिए प्रभावी कार्यवाही की गई। प्रदेश में फरवरी माह में 1 लाख 74 हजार 137 लीटर वॉश नष्ट किया गया। इसी क्रम में भारत निर्मित विदेशी मदिरा 11815, देशी मदिरा 2583, अवैध मदिरा 3344, बीयर 809 बोतल सहित 2 किलोग्राम भांग एवं 600 लीटर स्प्रिट सीज किया गया।

अतिरिक्त आबकारी आयुक्त प्रशासन अनिल कुमार शर्मा एवं अतिरिक्त आबकारी आयुक्त पॉलिसी प्रदीप सिंह सांगावत ने बताया कि प्रदेश में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत फरवरी माह में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय में संलिप्तता पर राजस्थान आबकारी अधिनियम के तहत 562 केस दर्ज करते हुए 556 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। अवैध मदिरा परिवहन में प्रयुक्त 14 दुपहिया वाहन, 7 हल्के चार पहिया वाहन सहित 21 वाहनों को सीज किया गया है।

दौसा जिले में गर्मियों में पक्षियों के लिए लगाए जाएंगे 20 हजार परिंडे, निराश्रित पशुओं की सुरक्षा के लिए चलेगा अभियान

जिला पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर अरविन्द शर्मा ने दिए निर्देश

स्मार्ट हलचल

महवा। दौसा अतिरिक्त जिला कलक्टर अरविन्द शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला कलक्ट्रेट में जिला पशु क्रूरता निवारण समिति दोसा की बैठक आयोजित हुई। बैठक में गर्मी के मौसम को देखते हुए जिलेभर में पक्षियों के लिए अगले सप्ताह से बड़े स्तर पर परिंडे लगाने अभियान शुरू करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में विगत बैठक के निर्णयों की समीक्षा करते हुए अतिरिक्त जिला कलक्टर ने बिंदुवार एजेंडा पर चर्चा की। उन्होंने विभिन्न विभागों को गर्मियों को ध्यान में रखते हुए पक्षियों के संरक्षण के लिए विभागवार परिंडे लगाने के लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से जिले में करीब 20 हजार परिंडे लगाने तथा उनमें प्रतिदिन पानी भरने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए संबंधित स्वयंसेवी लोगों सहित कर्मचारियों को पाबंद करने के निर्देश दिए। उन्होंने गर्मियों में पशुओं के लिए भी पानी की समुचित व्यव-स्था करने के लिए निर्देशित किया।

उन्होंने परिवहन विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को सड़क किनारे घूमने वाले निराश्रित गोवंश पर रिफ्लेक्टर बेल्ट लगाने के निर्देश दिए, ताकि रात्रि के समय सड़क दुर्घटनाएं नहीं हो और पशुओं की हानि को रोका जा सके। मीटिंग के दौरान जिला पशु क्रूरता निर्माण समिति सदस्य अवधेश कुमार अवस्थी ने बताया कि पशु एम्बुलेंस की उपलब्धता नहीं होने तथा दुर्घटनाग्रस्त व बीमार गोवंश को उपचार के लिए ले जाते समय पशु चिकित्सालय की पर्ची के आधार पर टोल से मुक्त नहीं करने की समस्या आने पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर अरविंद कुमार शर्मा ने संबंधित टोल कंपनी के अधिकारी को ऐसी घटनाओं पर असंतोष व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ संपूर्ण सूचनाओं नहीं लाने पर टोल प्राधिकरण के कर्मचारी अधिकारी को नोटिस जारी करने का निर्देश जारी किए उन्होंने कहा कि घायल पशुओं को तत्काल निकटतम पशु चिकित्सालय में उपचार उपलब्ध कराकर निकटतम गौशालाओं में शिफ्ट किया जाए।

बैठक में नगर परिषद, नगरपालिकाओं, सार्वजनिक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, परिवहन विभाग एवं पशुपालन विभाग को आपसी समन्वय स्थापित कर अभियान चलाने तथा निराश्रित गोवंश को नंदीशाला बीड, दौसा में आश्रय के लिए भिजवाने के निर्देश दिए गए। नगर परिषद दौसा को आसपास के क्षेत्रों से घायल एवं बीमार गोवंश का उपचार कराकर उन्हें गौशाला एवं नंदीशाला में भेजने तथा पशुपालन विभाग को पात्र गौशालाओं के गोवंश को बाहर नहीं छोड़ने के लिए गौशाला प्रबंधकों को पाबंद करने के निर्देशित करने को कहा गया। इसके साथ ही नगर परिषद दौसा एवं बहुउद्देशीय पशु चिकित्सालय दौसा को निराश्रित कुत्तों के लिए रेबीज टीकाकरण अभियान शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक प्रहलाद मीणा, उप निदेशक राधेश्याम मीणा, परिवहन विभाग के डीटीओ संदीप भारद्वाज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा जिला पशु क्रूरता निवारण समिति के सदस्य अवधेश कुमार अवस्थी एवं गौसेवक सुशील शर्मा उपस्थित रहे।

चेन लूट की घटना से जैन समाज में रोष, शीघ्र कार्रवाई की मांग

स्मार्ट हलचल|कोटा

आर.के. पुरम क्षेत्र में व्यापारी के साथ हुई चेन लूट की घटना को लेकर जैन समाज में रोष व्याप्त है। समाज के पदाधिकारियों ने पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी तथा लूटी गई चेन की बरामदगी की मांग की है।

जैन समाज आर.के. पुरम, कोटा के अध्यक्ष अंकित कुमार जैन द्वारा पुलिस अधीक्षक कोटा शहर एवं थाना अधिकारी आर.के. पुरम रामविलास मीणा को दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि समाज के सदस्य पदम जैन, जो आर.के. पुरम स्थित श्री आदिनाथ किराना स्टोर के प्रतिष्ठान से जुड़े हैं, उनके साथ अज्ञात बदमाशों द्वारा चेन लूट की घटना को अंजाम दिया गया। इस संबंध में थाना आर.के. पुरम में रिपोर्ट भी दर्ज कराई जा चुकी है।

ज्ञापन में कहा गया है कि घटना के बाद से जैन समाज आर.के. पुरम के सदस्यों में रोष, आक्रोश और भय का वातावरण है। समाज ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए तथा लूटी गई चेन बरामद कर पीड़ित को न्याय दिलाया जाए।

इस अवसर पर प्रकाश जैन, विनय कुमार जैन,अक्षय सुरलाया, महावीर प्रसाद, सुशील जैन,गजेन्द्र जैन, सोहनलाल जैन, सुरेन्द्र जैन, लोकेश बरमुंडा, सुरेश कुमार जैन, जितेन्द्र जैन, सागर चंद जैन सहित कई लोग मौजूद रहे।

भारत की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले की 128 वीं पुण्यतिथि

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/ अजमेर। भारत की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले की 128 वीं पुण्यतिथि मंगलवार को महात्मा ज्योतिबा फुले माता सावित्रीबाई फूले सर्कल विकास समिति के तत्वाधान में नागौर रोड रेलवे फाटक स्थित महात्मा ज्योति बा फुले माता सावित्री बाई फुले राष्ट्रीय स्मारक पर पुष्पहार अर्पित कर मनाई गई।

इस अवसर पर संस्था के कार्यकर्ता व समाज सेवियों ने माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी ।

इस अवसर पर महात्मा ज्योति बा फुले माता सावित्री बाई फुले सर्कल विकास समिति के अध्यक्ष ताराचंद गहलोत ने फुले दंपति के सामाजिक अनुकरणीय योगदान ,महिला शिक्षा सहित सामाजिक जनजागृति पर सभी को अवगत कराया ।

इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी दामोदर मुखिया, डॉ. भगवती टॉक, अजय सैनी, घनश्याम भाटी, हरिशंकर चौहान, सूरज मल दगदी, बंटी गहलोत, राहुल उबाना, सीताराम सत्तरावला, नंदकिशोर कुवाल, रोहित टांक, प्रेमचंद चौहान, कानाराम कुँवाल, नितेश गहलोत सहित कई गणमान्य ने उपस्थित होकर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

कृषि पर्यवेक्षक ने धामेंड़ा धाम में पेड़ पौधों का किया निरीक्षण

ऑक्सीजन बैक टू एनवायरनमेंट का सपना हो रहा साकार

स्मार्ट हलचल | नारायणपुर

उपखण्ड के प्राचीन अरावली पर्वतमाला की तलहटी में स्थित खेड़ापति बाबा पीर संज्यानाथजी महाराज की तपोस्थली धामेंड़ा धाम में महंत पीर विवेकनाथ महाराज के सानिध्य में श्री कृष्णा शिक्षा एवं ग्रामीण विकास समिति सचिव सुनील कुमार शर्मा के नेतृत्व में चलाए जा रहे पर्यावरण बचाओ पेड़ पौधे लगाओं महा अभियान के तहत लगाए गए फलदार व छायादार लगभग हजारो पेड़ पौधों का मंगलवार को कृषि पर्यवेक्षक मुंशीराम सैनी ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गौशाला कोषाध्यक्ष महेश कुमार सैनी, धामेंडा धाम मेला कमेटी अध्यक्ष कैलाश चंद यादव, मदनलाल कोली, पूरणसिंह लौधी, सुल्तानसिंह लौधी, महेश चंद सैनी उपस्थित थे। कृषि पर्यवेक्षक मुंशीराम सैनी ने बताया कि प्रत्येक पौधे को देखकर उनमें पानी की नियमित व्यवस्था, पेड़ों की देखभाल के लिए छंटाई सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है। इससे मृत या रोगग्रस्त शाखाओं के साथ-साथ अवांछित दिशा में बढ़ रही शाखाओं को हटाकर पेड़ स्वस्थ रहते हैं। छंटाई का सबसे अच्छा समय सर्दियों के अंत या वसंत ऋतु की शुरुआत में, नई वृद्धि शुरू होने से पहले होता है। मल्चिंग आपके पेड़ों को खरपतवार, कीटो और खराब मौसम से बचाने का एक बेहतरीन तरीका है। यह जड़ों को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करके उन्हें स्वस्थ रखने में भी मदद करता है। आपको हर साल अपने पेड़ों पर लगभग 2 से 4 इंच मोटी मल्च की परत बिछानी चाहिए। ध्यान रखें कि पेड़ के तने के चारों ओर मल्च को बहुत अधिक ऊंचा न करें क्योंकि इससे समस्या हो सकती है। सचिव सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि यह अभियान जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ सहित विभिन्न धार्मिक व सामाजिक पर्वो पर पेड़ पौधे लगाने की मुहिम चलाई जा रही है जिसका परिणाम आज धामेंड़ा धाम हरा भरा और खुशहाल दिखाई देने लगा है इसलिए सभी क्षेत्रवासियों से पौधारोपण में अधिक से अधिक सहयोग करने के लिए अपील की गई।

सूरौठ में सावित्री बाई फुले की पुण्यतिथि पर संगोष्ठी आयोजित

स्मार्ट हलचल|सूरौठ

कस्बे में बयाना मार्ग पर स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले आश्रम परिसर में देश की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्री बाई फुले की पुण्यतिथि सैनी माली समाज की ओर से श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें सैनी समाज के लोगों ने माता सावित्रीबाई फुले की जीवनी पर प्रकाश डाला।

सैनी समाज के सूरौठ तहसील अध्यक्ष महेश सैनी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत समाज के लोगों ने माता सावित्रीबाई फुले की तस्वीर के समक्ष पुष्प अर्पित करके की। इसके पश्चात सभी समाज बंधुओ ने 2 मिनट का मौन धारण किया। इस दौरान आयोजित की गई संगोष्ठी में समाज के तहसील अध्यक्ष महेश चंद सैनी, पूर्व जिला अध्यक्ष मोहर सिंह सैनी, प्रोफेसर ठंडी लाल राजावत, पूर्व पालिका उपाध्यक्ष श्याम सुंदर सैनी, रीतेश जगरिया, जल सिंह सैनी, पूरण एईएन, देव फुल सैनी, रेवती लाल सैनी, श्रीलाल अध्यापक, उदय सिंह सैनी, व्याख्याता गणेश चंद्र सैनी आदि ने माता सावित्री बाई फुले के आदर्शों पर चलने की बात कही गई। इस अवसर पर शिक्षा एवं सामाजिक एकता के संबंध में भी चर्चा की गई।

होली पर नई दिल्ली में युवक की हत्या पर सख्त कार्यवाही की मांग

चित्तौड़गढ़। होली पर्व पर नई दिल्ली में एक युवक की पीट-पीट कर हत्या के दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही व पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग को लेकर जिले भर के खटीक समाज के विभिन्न संगठनों के तत्वावधान एवं आम मेवाड़ खटीक समाज मातृकुण्डिया के कार्यकारी संभाग अध्यक्ष शांतिलाल खटीक राशमी के नेतृत्व में राष्ट्रपति, पीएम, गृहमंत्री के नाम जिला कलक्टर को ज्ञापन दिया गया।

खटीक समाज सहित विभिन्न संगठनों ने सौंपे ज्ञापन में बताया कि यह घटना अत्यन्त दुखद, अमानवीय व कानून व्यवस्था के लिए गंभीर चिन्ता का विषय है। इस घटना से सम्पूर्ण क्षेत्र में भय व आक्रोश का माहौल बन गया है। पीड़ित परिवार इस घटना से भयभीत है। उन्हें अपना घर छोड़ कर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। ऐसी घटनाएं समाज में असुरक्षा की भावना को बढ़ाती है तथा कानून के प्रति लोगों का विश्वास कमजोर करती है। ज्ञापन में मामले की गंभीरता को देखते हुए निष्पक्ष व त्वरित जांच कराने, शीघ्र ही गिरफ्तारी कर सख्त से सख्त सजा देने, पीड़ित परिवार को एक करोड़ आर्थिक सहायता, एक सदस्य को नौकरी दिये जाने की मांग की गई। इस दौरान कार्यकारी संभाग अध्यक्ष शांतिलाल खटीक राशमी, कानजी खटीक, बाबूलाल तुषावड़ा, पूर्व सरपंच लाभचंद, नानालाल बोरीवाल, एडवोकेट राजू घोसुण्डा, रमेश बोरीवाल, कालूराम खटीक, सुरेश खोईवाल, मुकेश खटीक बेगूं, मुकेश नाहटा, शिव चावला, पिन्टू संगेसरा सहित कई समाजजन मौजूद रहे।

विधायक मीणा ने विधानसभा में रखी मांग

स्मार्ट हलचल

महुवा। महुवा विधायक राजेंद्र मीणा ने सोमवार को राजस्थान विधानसभा में नियम 295 की कार्यवाही के दौरान भाग लेकर परिवहन मंत्री प्रेमचंद बेरवा को अध्यक्ष के माध्यम से अवगत करवाया कि महुवा केंद्रीय बस स्टैंड जो की महत्वपूर्ण बस स्टैंड है यहां से अलवर, भरतपुर और जयपुर की ओर प्रतिदिन हजारों यात्रियों का आवागमन होता है, लेकिन स्टाफ की कमी के कारण रात्रि के समय बस स्टैंड बंद रहता है और अधिकतर बसें बाईपास होकर निकल जाती हैं,जिसमें परिचालकों के द्वारा यात्रियों को रात्रि में बाईपास पर ही उतार दिया जाता है, जो की सुरक्षा की दृष्टि से भी उचित नहीं है, उक्त समस्याओं पर तुरंत संज्ञान लेते हुए महुआ केंद्रीय बस स्टैंड पर रात्रि के समय भी टिकट वितरण चालू रखने तथा रात्रि के समय भी बस स्टैंड को चालू रखने के संबंध में निवेदन कर जल्द संज्ञान हेतु बताया।

कालिका पेट्रोलिंग टीम को मिला राज्य स्तर पर सम्मान

चित्तौड़गढ़। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में चित्तौड़गढ़ जिले की कालिका पेट्रोलिंग टीम में कार्यरत एक एएसआई व दो महिला कांस्टेबल को उत्कृष्ट सेवाओं एवं उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनके द्वारा किए जा रहे सराहनीय कार्यों के लिए प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में राजस्थान पुलिस के महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा तथा राजस्थान राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजय राहटकर द्वारा एएसआई श्यामा गुर्जर, महिला कांस्टेबल बीना एवं महिला कांस्टेबल आरती कुमावत को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राज्यभर से विभिन्न जिलों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला पुलिसकर्मियों को भी सम्मानित किया गया। पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि एएसआई श्यामा गुर्जर और महिला कांस्टेबल बीना वर्तमान में चित्तौड़गढ़ पुलिस की कालिका पेट्रोलिंग टीम में कार्यरत हैं और महिलाओं एवं छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। कालिका पेट्रोलिंग टीम द्वारा नियमित रूप से स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थानों तथा भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में गश्त कर छात्राओं एवं महिलाओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने का कार्य किया जाता है।

महात्मा गांधी विद्यालय कन्नौज में प्रवेश प्रक्रिया आज से

चित्तौड़गढ़। कन्नौज कस्बे के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में अंग्रेजी माध्यम में कक्षा 1 से 12 तक में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया बुधवार से प्रारंभ हो गयी है, जो 31 मार्च तक चलेगी। प्रधानाचार्य हरीश न्याती ने बताया कि प्रवेशोत्सव प्रभारी श्रीमती नरेश कश्यप एवं सहायक प्रभारी शिल्पा को मनोनीत किया। उन्होने बताया कि विद्यालय में कक्षा 1 मे 30, कक्षा 2 में 26, कक्षा 3 में 23, कक्षा 4 में 15, कक्षा 5 में 16, कक्षा 6 में 20, कक्षा 7 में 25, कक्षा 8 में16, कक्षा 9 में 40, कक्षा 10 में 40, कक्षा 11 में 53, कक्षा 12 में 60 सीटों पर इच्छुक विद्यार्थी आवेदन कर सकते है। विद्यालय में कक्षा 11 और 12 में विज्ञान संकाय के विद्यार्थी ही प्रवेश आवेदन कर सकते हैं।

पोस्को एक्ट में गिरफ्तार युवक की मौत से हड़कंप

स्मार्ट हलचल |लाखेरी

उपखंड क्षेत्र के इन्द्रगढ़ में मंगलवार देर शाम पुलिस थाने में पोस्को एक्ट में गिरफ्तार युवक की मौत से हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार इन्द्रगढ़ पुलिस थाना मे गिरफ्तार युवक दिनेश सैनी पिता मांगीलाल सैनी उम्र 23 वर्ष निवासी करवर जिला बूंदी की पुलिस हिरासत मे मौत हो गई। मृतक युवक को इन्द्रगढ़ पुलिस ने 03 दिन पूर्व पोस्को एक्ट मे गिरफ्तार किया था। युवक की मौत के बाद पुलिस थाना इन्द्रगढ़ मे परिवार एवं सैकड़ों की संख्या में सैनी समाज के लोगों की भीड़ जमा हो गई। युवक की मौत से इन्द्रगढ़ पुलिस थाना मे अतिरिक्त पुलिस जाप्ता तैनात किया गया है। इस दौरान एडिशनल एसपी उमा शर्मा, लाखेरी पुलिस उपाधीक्षक नरेंद्र कुमार नागर, लाखेरी पुलिस थानाधिकारी सुभाष चंद्र शर्मा, इन्द्रगढ़ पुलिस थानाधिकारी राम लाल मीणा आदि अतिरिक्त जाप्ता सहित मौजूद है। घटना को लेकर परिजनों एवं समाज के लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

10 लाख की लागत से बनेंगे श्मशान की चारदीवारी एवं टीनशेड

स्मार्ट हलचल |डेगाना

ग्राम धांधोली आए पूर्व मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने दिवंगत समाजसेविका आयचुकी देवी की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य सचिव निरंजन आर्य एवं विधायक जाकिर हुसैन गैसावत ने आयचुकी देवी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। विधायक गैसावत ने दमामी समाज के श्मशान में चारदीवारी एवं टीनशेड के लिए 10 लाख रूपये की घोषणा की। इस दौरान दिलीप कुमार, गोरधन दमामी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

समाजसेवी दुष्यंत सिंह गहलोत पर हमले की कोशिश, सीसीटीवी में कैद घटना

तलवंडी में सीवरेज कार्य को लेकर बढ़ा विवाद, लोगों ने किया बीच-बचाव

स्मार्ट हलचल|कोटा

तलवंडी क्षेत्र के वार्ड 71 में सीवरेज लाइन के कार्य को लेकर विवाद उस समय बढ़ गया जब समाजसेवी दुष्यंत सिंह गहलोत पर जानलेवा हमले की कोशिश की गई। पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर स्थिति को संभाला।

जानकारी के अनुसार मोहल्ला निवासियों ने आरोप लगाया है कि करीब एक वर्ष पहले आरयूडीपी द्वारा डाली गई सीवरेज लाइन के पास ही दोबारा नई लाइन डाली जा रही है। इससे पुरानी लाइन को नुकसान पहुंचने की आशंका है तथा बार-बार की खुदाई से क्षेत्र की सड़कें भी क्षतिग्रस्त हो रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार हो रही खुदाई से दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी हुई है।

गहलोत ने बताया जा रहा है कि इस मामले की शिकायत मोहल्ला निवासियों ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर की थी। शिकायत के बाद केडीए के अधिकारी मौके पर पहुंचे और कार्य का निरीक्षण किया। अधिकारियों का कहना है कि नियमानुसार यहां नई लाइन डालना संभव नहीं है, लेकिन आगे की लाइन से कनेक्शन नहीं मिलने के कारण मजबूरी में यह कार्य किया जा रहा है।

इसी दौरान मौके पर पहुंचे पूर्व पार्षद के मुंशी दीपक सेन ने कथित रूप से मोहल्ले में दादागिरी करते हुए केडीए के उच्च अधिकारियों से शिकायत करने पर नाराजगी जताई। आरोप है कि उसने समाजसेवी दुष्यंत सिंह गहलोत पर पहले फावड़े से हमला करने की कोशिश की और बाद में डंडे से मारने का प्रयास किया। हालांकि आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया।

वहीं मुंशी पर लोगों से अभद्र व्यवहार और गाली-गलौज करने के आरोप भी लगे हैं। घटना की सूचना मिलने पर पूर्व पार्षद विवेक राजवंशी को मौके पर बुलाया गया, जहां उन्हें पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी गई। बताया जाता है कि विवाद बढ़ने के बाद उन्होंने अपने मुंशी को कार्य स्थल से हटाकर वहां से भेज दिया।

मोहल्ला निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि सीवरेज कार्य नियमानुसार कराया जाए तथा क्षेत्र में बार-बार की खुदाई से हो रही परेशानी का स्थायी समाधान किया जाए।

नाबालिग के अपहरण व दुष्कर्म के आरोपी का 20 साल का कठोर कारावास

चित्तौड़गढ़। विशिष्ट न्यायालय लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 की न्यायाधीश लता गौड ने चार वर्ष पूराने नाबालिग के अपहरण व दुष्कर्म के प्रकरण में आरोपी को दोषी मानते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास 70 हजार रुपए के जुर्माने की सजा से दंडित किया है।

विशिष्ट लोक अभियोजक गोपाल लाल जाट ने बताया कि कोतवाली थाना क्षेत्र निवासी एक महिला ने एजाद उर्फ एजाज पिता सलीम खान निवासी खटीक मोहल्ला चित्तौड़गढ़ के विरुद्ध अपने नाबालिग पुत्री को बहला-फुसला कर अपहरण करने व दुष्कर्म करने का प्रकरण दर्ज कराया। जिस पर कोतवाली पुलिस में अनुसंधान करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध न्यायालय में आरोप-पत्र प्रस्तुत किया।

इंदौर-नई दिल्ली-इंदौर सुपरफास्ट एक्सप्रेस का हिसार तक विस्तार

कोटा मंडल के शामगढ़, रामगंज मंडी, कोटा जंक्शन, सवाई माधोपुर जंक्शन तथा भरतपुर जंक्शन से होकर चलती है

स्मार्ट हलचल| कोटा

यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा 11 मार्च 2026 से गाड़ी संख्या 20957/20958 इंदौर-नई दिल्ली-इंदौर सुपरफास्ट एक्सप्रेस का विस्तार नई दिल्ली से आगे हिसार स्टेशन तक किया गया है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि गाड़ी संख्या 20957 इंदौर-नई दिल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस अब नई दिल्ली से आगे हिसार तक संचालित होगी, जबकि वापसी में गाड़ी संख्या 20958 हिसार-इंदौर सुपरफास्ट एक्सप्रेस के रूप में चलेगी। यह ट्रेन मार्ग में इंदौर जंक्शन, बड़नगर, रतलाम जंक्शन, खाचरोद, नागदा जंक्शन, शामगढ़, रामगंज मंडी, कोटा जंक्शन, सवाई माधोपुर जंक्शन, भरतपुर जंक्शन, मथुरा जंक्शन, दिल्ली सफदरजंग, शकूरबस्ती, रोहतक जंक्शन, महम, हांसी तथा सतरौद स्टेशनों से होकर हिसार जाएगी।

ब्रह्मपुत्र पर चीन का मेगा बांध विकास की परियोजना है या भारत पर रणनीतिक दबाव?

नीरज कुमार दुबे

दरअसल ब्रह्मपुत्र केवल एक नदी नहीं बल्कि पूर्वोत्तर भारत की जीवनरेखा है। इसका कुल प्रवाह मार्ग लगभग 2880 किलोमीटर लंबा है, जिसमें करीब 1625 किलोमीटर तिब्बत, लगभग 918 किलोमीटर भारत और करीब 337 किलोमीटर बांग्लादेश में बहता है।

हिमालय से निकलने वाली नदियाँ केवल जलधाराएँ नहीं होतीं, वह राजनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के समीकरणों को भी प्रभावित करती हैं। इन्हीं नदियों में से एक है ब्रह्मपुत्र, जो तिब्बत से निकलकर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और फिर बांग्लादेश तक जीवनदायिनी धारा के रूप में बहती है। हाल के वर्षों में तिब्बत क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र पर चीन द्वारा बनाई जा रही विशाल जलविद्युत परियोजना ने दक्षिण एशिया की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। सवाल उठ रहा है कि क्या यह परियोजना केवल ऊर्जा उत्पादन की जरूरत से प्रेरित है या इसके पीछे भारत पर रणनीतिक दबाव बनाने की योजना भी छिपी हुई है?

उल्लेखनीय है कि चीन जिस परियोजना पर काम कर रहा है, उसे दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं में से एक माना जा रहा है। इसकी अनुमानित उत्पादन क्षमता लगभग 60,000 मेगावाट बताई जाती है, जो वर्तमान में दुनिया के सबसे बड़े जलविद्युत संयंत्र ह्यथ्री गॉर्जेस डैमह्ल से भी कई गुना अधिक है। इस परियोजना पर करीब 1.2 ट्रिलियन युआन, यानी लगभग 140 से 170 अरब डॉलर खर्च होने का अनुमान है। योजना के अनुसार इसमें पाँच बड़े कैस्केड बांध बनाए जाएंगे और इससे हर साल लगभग 300 अरब यूनिट बिजली पैदा की जा सकेगी। यह बिजली उत्पादन कई देशों की कुल वार्षिक खपत के बराबर माना जाता है।

यह परियोजना तिब्बत में उस स्थान के पास बनाई जा रही है जहाँ ब्रह्मपुत्र नदी नामचा बरवा पर्वत के आसपास एक विशाल मोड़ बनाकर भारत के अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करती है। भूगोल की दृष्टि से यह स्थान बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यहाँ नदी का प्रवाह बहुत तीव्र हो जाता है और गहरी घाटियाँ बनती हैं। इसी कारण इसे जलविद्युत उत्पादन के लिए अत्यंत उपयुक्त माना जाता है। लेकिन यही भौगोलिक स्थिति भारत और बांग्लादेश के लिए चिंता का कारण भी बन गई है।

दरअसल ब्रह्मपुत्र केवल एक नदी नहीं बल्कि पूर्वोत्तर भारत की जीवनरेखा है। इसका कुल प्रवाह मार्ग लगभग 2880 किलोमीटर लंबा है, जिसमें करीब 1625 किलोमीटर तिब्बत, लगभग 918 किलोमीटर भारत और करीब 337 किलोमीटर बांग्लादेश में बहता है। यह दुनिया की सबसे अधिक

जलप्रवाह वाली नदियों में से एक है और मानसून के समय इसका औसत जल प्रवाह लगभग 19,800 घन मीटर प्रति सेकंड तक पहुँच जाता है। असम और अरुणाचल प्रदेश की कृषि, मत्स्य पालन, जल परिवहन और पारिस्थितिकी इस नदी पर काफी हद तक निर्भर हैं।

हालाँकि एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि ब्रह्मपुत्र का अधिकांश जल भारत में ही बनता है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार नदी के कुल प्रवाह का लगभग 65 से 70 प्रतिशत हिस्सा भारत में उत्पन्न होता है, जो मुख्यतः मानसूनी वर्षा और सहायक नदियों से आता है। चीन के हिस्से से आने वाला जल लगभग 22 से 35 प्रतिशत के बीच माना जाता है। इसका अर्थ यह है कि चीन भले ही नदी के ऊपरी हिस्से में स्थित हो, लेकिन पूरे नदी तंत्र के जल पर उसका पूर्ण नियंत्रण संभव नहीं है।

इसके बावजूद भारत की चिंताएँ पूरी तरह निराधार नहीं कही जा सकतीं। यदि चीन नदी के ऊपरी हिस्से में बड़े पैमाने पर जल संरचनाएँ बनाता है, तो उसे पानी के प्रवाह को नियंत्रित करने की एक हद तक क्षमता मिल सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार यह नियंत्रण कई प्रकार की परिस्थितियाँ पैदा कर सकता है। उदाहरण के लिए, यदि गैर-मानसून के समय पानी रोक लिया जाए तो नीचे के क्षेत्रों में जल की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। वहीं यदि अचानक बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा जाए तो असम और बांग्लादेश में बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है।

इसके अलावा एक और महत्वपूर्ण पहलू डेटा नियंत्रण का है। अंतरराष्ट्रीय नदियों के मामले में जल प्रवाह और मौसम से जुड़ा हाइड्रोलॉजिकल डेटा साझा करना बहुत महत्वपूर्ण होता है। अतीत में भारत और चीन के बीच ऐसे समझौते हुए हैं जिनके तहत चीन मानसून के समय ब्रह्मपुत्र के जल स्तर की जानकारी भारत को देता है। लेकिन जब दोनों देशों के बीच सीमा तनाव बढ़ा, तब कुछ समय के लिए यह डेटा साझा करना भी बाधित हुआ। इससे यह आशंका मजबूत हुई कि जल संसाधन भी भविष्य में कूटनीतिक दबाव का साधन बन सकते हैं।

इस परियोजना से जुड़ी पर्यावरणीय चिंताएँ भी कम नहीं हैं। हिमालय का यह क्षेत्र भूकंप और भूस्खलन के लिहाज से बेहद संवेदनशील माना जाता है। यदि किसी बड़े भूकंप या प्राकृतिक आपदा के कारण बांध को नुकसान होता है तो उसके परिणाम नीचे के देशों के लिए विनाशकारी हो सकते हैं। इतनी बड़ी जलराशि का अचानक बहाव असम और बांग्लादेश में गंभीर तबाही ला सकता है।

दूसरी ओर, चीन इन आशंकाओं को खारिज करते हुए कहता है कि यह परियोजना ह्लरन-ऑफ-द-रिवरह्व तकनीक पर आधारित है, जिससे नदी के प्राकृतिक प्रवाह पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। उसका तर्क है कि यह परियोजना स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन कम करने और तिब्बत क्षेत्र के आर्थिक विकास में मदद करेगी।

दूसरी ओर भारत भी पूरी तरह निष्क्रिय नहीं है। ब्रह्मपुत्र बेसिन में भारत लगभग 76 गीगावाट जलविद्युत क्षमता विकसित करने की योजना बना रहा है, जिसमें से करीब 52 गीगावाट क्षमता केवल अरुणाचल प्रदेश में संभावित मानी जाती है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य ऊर्जा उत्पादन के साथ-साथ नदी के जल प्रबंधन में संतुलन बनाए रखना भी है।

स्पष्ट है कि ब्रह्मपुत्र पर चीन का यह मेगा बांध केवल एक ऊर्जा परियोजना नहीं है। यह आधुनिक दौर की ह्लजल भू-राजनीतिह्व का उदाहरण भी है, जहाँ नदी के स्रोत पर स्थित देश को स्वाभाविक रणनीतिक बढ़त मिल जाती है। चीन इसे विकास और ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि से देखता है, जबकि भारत इसे जल सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों से जोड़कर समझता है।

बहरहाल, यह कहा जा सकता है कि ब्रह्मपुत्र भविष्य में सहयोग का माध्यम भी बन सकती है और तनाव का कारण भी। यदि भारत, चीन और बांग्लादेश पारदर्शी जल प्रबंधन, डेटा साझेदारी और पर्यावरणीय सुरक्षा के साझा ढाँचे पर सहमत हो जाएँ, तो यह नदी संघर्ष की धारा नहीं बल्कि क्षेत्रीय सहयोग और समृद्धि की धारा बन सकती है। हालांकि लेकिन इसके लिए विश्वास, पारदर्शिता और दूरदर्शी कूटनीति की आवश्यकता होगी।

संपादकीय

बढ़ता तापमान

हाल के वर्षों में कम समय के सर्दी के मौसम के बाद तापमान में अचानक वृद्धि, मौसम के पैटर्न में आ रहे असामान्य बदलाव का स्पष्ट संकेत है। सर्दी के बाद वसंत के मौसम का जल्दी चले जाना और जल्दी गर्मी का आना क्षेत्रीय वायुमंडल परिवर्तनों और दीर्घकालिक जलवायु परिवर्तन का कारण माना जा रहा है। जाहिर है मौसम के मिजाज में आ रहे इस असामान्य बदलाव का हमारे जीवन और आजीविका पर गहरा प्रभाव आने वाले दिनों में नजर आएगा, जिसको लेकर देशव्यापी चर्चा जारी है। खासकर उत्तर भारत के कृषि क्षेत्र में इसके नकारात्मक आर्थिक परिणामों को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। चिंता की बात यह भी है कि हिमाचल प्रदेश के सेब के बागों में, कम होती ठंडक से उत्पादकता में गिरावट देखी जा रही है। दरअसल, मौसमी बदलाव फलों के नाजुक जैविक चक्र को बाधित कर रहा है, जिसके चलते उपज में भारी नुकसान के साथ-साथ गुणवत्ता में गिरावट की आशंका व्यक्त की जा रही है। इससे बचने के लिए अनुकूलन उपायों में जलवायु अनुरूप बागवानी पद्धतियों को अपनाने और दीर्घकाल में सेब पट्टी को ऊंचे क्षेत्रों में स्थानांतरित करने की जरूरत होगी। आवश्यकता होगी कि हम सूखा-सहिष्णु फसलों को अपनाएं। कम जल के बेहतर उपयोग के प्रयास हों। अब सिर्फ वैकल्पिक फसलों के भरोसे ही नहीं रहा जा सकता, कई मोर्चों पर पहल करने की जरूरत होगी। कुल मिलाकर एक स्पष्ट रणनीति को अपनाकर हम बढ़ती गर्मी के दुष्प्रभावों से बच सकते हैं।

निस्संदेह, इसमें दो राय नहीं है कि मार्च के पहले सप्ताह में उच्च तापमान का महसूस होना, आने वाले संकट का स्पष्ट संकेत है। अध्ययनों से पता चलता है कि भारत में ग्रीष्म ऋतु में आने वाले लू के दिनों की संख्या 1980 के बाद से दुगनी से भी अधिक हो गई है। हमारे देश में तीव्र शहरीकरण, सघन निर्माण और हरित क्षेत्रों के लगातार जारी क्षरण के चलते भी तापमान में वृद्धि हुई है। ऐसे में बढ़ते तापमान से उत्पन्न जल व ऊर्जा संकट से निपटने के लिए तत्काल कारगर योजनाओं की जरूरत है। इसके साथ ही शीत ऋतु से ग्रीष्म ऋतु में तेजी से होने वाले परिवर्तन के इस नये असामान्य परिदृश्य के लिए नागरिकों की जिम्मेदारियों और कर्तव्यों के लिए भी एक नया चार्टर बनाने की आवश्यकता होगी। सरकारों की तैयारियों को लेकर भी स्पष्ट रीति-नीति का निर्धारण जरूरी है। निस्संदेह, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के निस्तारण के लिए रणनीतियों को लेकर सहभागी दृष्टिकोण प्रभावकारी हो सकता है। आने वाले समय में मौसम की चरम स्थितियां घातक साबित हो सकती हैं, जिनका मुकाबला मौजूदा अपर्याप्त प्रशासनिक योजनाओं के जरिये संभव न होगा। इसके लिए कारगर रणनीतियां बनाने की जरूरत होगी। हमें बिजली की अनुमानित मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को कम करना होगा। समय-समय पर स्वास्थ्य संबंधी परामर्श जारी करने तथा प्रभावी उपचार की उपलब्धता भी जरूरी होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि हमें बिजली और पानी की बबार्दी पर रोक लगाने के लिए तत्काल कदम उठाने होंगे।

चिंतन-मनन

नित अभ्यास से दर्शन कर सकते हैं ईश्वर का

सभी शास्त्र कहते हैं कि बिना भगवान को प्राप्त किये मुक्ति नहीं मिल सकती है। इसलिए भगवान की तलाश के लिए कोई व्यक्ति मंदिर जाता है तो कोई मस्जिद, कोई गुरूद्वारा, तो कोई गिरजाघर। लेकिन इन सभी स्थानों में जड़ स्वरूप भगवान होता है। अर्थात ऐसा भगवान होता है जिसमें कोई चेतना नहीं होती है।

असल में भगवान की चेतना तो अपने भक्तों के साथ रहती है इसलिए मंदिर में हम जिस भगवान को देखते हैं वह मौन होकर एक ही अवस्था में दिखता है। जब हमारी चेतना यानी इन्द्रियां अपने आस-पास ईश्वर को महसूस करने लगती है तब हम जहां भी होते हैं वहीं ईश्वर प्रकट दिखाई देता है। उस समय भगवान को ढूंढने के लिए मंदिर या किसी तीर्थ में जाने की आवश्यकता नहीं होती है।

जब व्यक्ति इस अवस्था को प्राप्त कर लेता है तब व्यक्ति के साथ चल रही भगवान की चेतना व्यक्ति के मंदिर में प्रवेश करने पर मंदिर में मौजूद ईश्वर की प्रतिमा में समा जाती है और मूक बैठी मूर्ति बोलने लगती है। यह उसी प्रकार होता है जैसे मृत शरीर में आत्मा के प्रवेश करने पर शरीर में हलचल होने लगती है। शरीर की क्रियाएं शुरू हो जाती है।

मंदिर में विराजमान मूर्ति वास्तव में एक मृत शरीर के समान है। मृत की पूजा करें अथवा न करें उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। हमारी श्रद्धा और भक्ति की अनुभूति वही कर सकता है जिसमें चेतना हो प्राण हो। इसलिए तीर्थों में भटकने की बजाय जिस देवता की उपासना करनी हो उसे अपनी आत्मा से ध्यान करें उनकी आत्मा अर्थात परमात्मा से संपर्क करें, परमात्मा की पूजा करें तो, जो फल वर्षों मंदिर यात्रा से नहीं मिल सकता, वही फल कुछ पल के ध्यान से मिल सकता है।

अमेरिका बताए वह क्या करना चाहता है? पुतिन

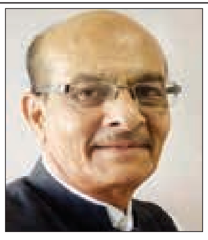

सनत जैन

रूस के राष्ट्रपति वलादिमीर पुतिन के हालिया बयान ने अंतर्राष्ट्रीय जगत की राजनीति में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। पुतिन के इस बयान से अमेरिका की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। पुतिन ने स्पष्ट शब्दों में कहा, रूस वर्तमान स्थिति मे जो संघर्ष दुनिया के कई देशों के बीच में चल रहे हैं, उसमें वह तटस्थ नहीं है। इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरान पर जो हमला किया गया है उसमें रूस ईरान के साथ खड़ा है। यह बयान ऐसे समय पर आया है। जब अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ रहा है। सारी दुनिया आर्थिक मंदी की चपेट में आ रही है। पुतिन का यह रुख मात्र एक बयान नहीं है बल्कि इसे पश्चिमी देशों की नीतियों एवं दादागिरी पर सीधी चुनौती के रूप में माना जा रहा है। रूस का आरोप है, अमेरिका और उसके सहयोगी देश अंतर्राष्ट्रीय कानून की अनदेखी कर मनमानी कर रहे हैं। इसी संदर्भ में पुतिन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों जिसमे अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन (पी5) देशों की बैठक बुलाने का प्रस्ताव दिया है। पुतिन का कहना है, दुनिया की महाशक्तियों को यह तय करना होगा, अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था ह्लकानून के शासनह्व (रुल ऑफ लॉ) से चलेगी या फिर ताकत के आधार पर एक देश दूसरे देशों के साथ व्यवहार करेंगे। रूस का कहना है, आज की स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय कानून केवल कागजों तक सीमित रह गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ, सुरक्षा परिषद एवं अन्य अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की कोई भूमिका देखने को नहीं मिल रही है। पुतिन ने चेतावनी देते हुए कहा, वास्तविकता में शक्तिशाली देश अपने हितों के अनुसार निर्णय लेते हुए कार्रवाई कर रहे हैं। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय कानूनो का पालन नहीं हो रहा है। यदि यही स्थिति जारी रही तो, अन्य देश भी उसी रास्ते पर चलने के लिए मजबूर होंगे। जिसके कारण सारी दुनिया एक बार फिर संघर्ष की स्थिति में जाकर खड़ी हो जाएगी। इससे वैश्विक व्यवस्था को नियंत्रित कर पाना असंभव होगा। पुतिन के इस बयान का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है, रूस ने सीधे तौर पर ईरान के प्रति अपना खुला समर्थन जताया है। पश्चिमी देशों के द्वारा जिस तरह से मनमाने तरीके से कार्यवाही की जा रही है, उसको पूरी तरह से अस्वीकार करते हुए चेतावनी दी है। पश्चिमी और कुछ अरब देशों द्वारा ईरान को इस संघर्ष का मुख्य जिम्मेदार बताया जा रहा है। पुतिन ने इसके लिए उन्हें ही जिम्मेदार ठहरा दिया है। रूस का कहना है, ईरान केवल हमलों का जवाब दे रहा है। अमेरिका और इजरायल ने उस पर जो हमला किया था ईरान को अपना बचाव करने का पूरा अधिकार है। जबकि पश्चिम के देश इसे ईरान की आक्रामक कार्रवाई के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। अमेरिका और उसके सहयोगी देश मानते हैं, ईरान की गतिविधियां क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा हैं। यही कारण है, मध्य पूर्व में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था तथा अंतरराष्ट्रीय शांति व्यवस्था एवं राजनीति पर पड़ रहा है। इस स्थिति को देखते हुए पुतिन का यह प्रस्ताव कि पी5 के देश मिलकर वर्तमान स्थिति में एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय नियमों को लेकर स्थिति स्पष्ट करें। रूस के राष्ट्रपति के इस बयान को अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा सकता है। विश्व की प्रमुख शक्तियां इस मुद्दे पर खुलकर चर्चा करती हैं। ऐसी स्थिति में सारी दुनिया के देशों में एक बेहतर संदेश और एकजुटता बनाने में मदद मिलेगी। जो अंतर्राष्ट्रीय कानून बने हुए हैं, उनका पालन यदि कोई देश नहीं कर रहा है तो ऐसी स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करने की बाध्यता वैश्विक स्तर पर तैयार की जानी चाहिए। ताकि वैश्विक व्यवस्था का विश्वास एवं सुरक्षा को पुनः बहाल किया जा सके। यह समय की मांग है। महाशक्तियों का यह दायित्व है कि वह दुनिया के देशों को अंतर्राष्ट्रीय कानून और बहुपक्षीय व्यवस्था को मजबूत कर सारी दुनिया में शांति बनाए रखना चाहती हैं या नहीं। पुतिन की यह चिंता जायज है। अमेरिका जैसे देश दादागिरी करके एक बार फिर जंगल राज की ओर आगे बढ़ रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय नियमों और कानूनो का पालन नहीं हो रहा है। शक्ति संतुलन के आधार पर जिस तरह से दुनिया के देशों को मनमर्जी से हांका जा रहा है, उसके कारण एक बार फिर दादागिरी की नई विश्व व्यवस्था बन रही है। समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध वाले एक बार फिर हालात पैदा हो सकते हैं। अमेरिका और अन्य प्रमुख महाशक्तियों को विश्व के सभी देशों को स्पष्ट उत्तर देना ही होगा। वर्तमान स्थिति में जिस तरह के हालात बने हुए हैं सारी दुनिया के देश युद्ध की आशंका से जूझ रहे हैं। वैश्विक आर्थिक मंदी के हालात बनने लगे हैं सारी दुनिया के देशों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले की महिला शिक्षा और सशक्तिकरण में भूमिका

संजय गोस्वामी

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले एक जानी-मानी भारतीय समाज सुधारक, शिक्षाविद और कवि थीं, जिन्होंने उन्नीसवीं सदी में महिलाओं की शिक्षा और उन्हें मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई। उस समय की कुछ पढ़ी-लिखी महिलाओं में गिनी जाने वाली सावित्रीबाई को अपने पति ज्योतिराव फुले के साथ पुणे के भिड़े वाडा में पहला लड़कियों का स्कूल खोलने का क्रेडिट दिया जाता है। उन्होंने बाल विधवाओं को पढ़ाने और उनकी आजादी के लिए बहुत कोशिश की, बाल विवाह और सती प्रथा के खिलाफ कैंपेन चलाया और विधवाओं की दोबारा शादी की वकालत की। महाराष्ट्र के समाज सुधार आंदोलन की एक जानी-मानी हस्ती, उन्हें बी. आर. अंबेडकर और अन्नाभाऊ साठे जैसे लोगों के साथ दलित मांग जाति का आइकॉन माना जाता है। उन्होंने छुआछूत के खिलाफ कैंपेन चलाया और जाति और लिंग के आधार पर भेदभाव को खत्म करने में एक्टिव रूप से काम किया। सावित्रीबाई का जन्म 3 जनवरी, 1831 को ब्रिटिश इंडिया के नायगांव (अभी सतारा ज़िले में) में एक किसान परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम खंडोजी नेवेशे पाटिल था और उनकी सबसे बड़ी बेटी लक्ष्मी थीं। उन दिनों लड़कियों की शादी जल्दी कर दी जाती थी, इसलिए आम रीति-रिवाजों के हिसाब से, 9 साल की सावित्रीबाई की शादी 1840 में 12 साल के ज्योतिराव फुले से कर दी गई। ज्योतिराव आगे चलकर एक विचारक, लेखक, सोशल एक्टिविस्ट और जाति-विरोधी समाज सुधारक बने। उन्हें महाराष्ट्र के समाज सुधार आंदोलन के जाने-माने लोगों में गिना जाता है। सावित्रीबाई की पढ़ाई शादी के बाद शुरू हुई। उनके पति ने उन्हें पढ़ना-लिखना सिखाया, जब उन्होंने उनकी सीखने और खुद को शिक्षित करने की इच्छा देखी। उन्होंने एक नॉर्मल स्कूल से तीसरे और चौथे साल की परीक्षा पास की और पढ़ाने का शौक रखने लगीं। उन्होंने अहमदनगर में सुश्री फरार इंस्टीट्यूशन से ट्रेनिंग ली। ज्योतिराव सावित्रीबाई के सभी सामाजिक कामों में मजबूती से उनके साथ खड़े रहे।

पुणे (उस समय पूना) में लड़कियों के लिए पहला स्वदेशी स्कूल ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने 1848 में शुरू किया था, जब सावित्रीबाई अभी टीनएज में थीं। हालाँकि इस कदम के लिए उन्हें परिवार और समाज दोनों से अलग-थलग कर दिया गया था, लेकिन इस पक्के इरादे वाले जोड़े को उनके एक दोस्त उस्मान शेख और उनकी बहन फातिमा शेख ने पनाह दी, जिन्होंने फुले जोड़े को स्कूल शुरू करने के लिए अपनी जगह भी दी। सावित्रीबाई स्कूल की पहली टीचर बनीं। ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने बाद में मांग और महार जातियों के बच्चों के लिए स्कूल शुरू किए, जिन्हें अछूत माना जाता था। 1852 में तीन फुले स्कूल चल रहे थे। उस साल 16 नवंबर को, ब्रिटिश सरकार ने फुले परिवार को शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया, जबकि सावित्रीबाई को बेस्ट टीचर चुना गया। उस साल उन्होंने महिलाओं में उनके अधिकारों, सम्मान और दूसरे सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने के मकसद से महिला सेवा मंडल भी शुरू किया। वह विधवाओं के सिर मुंडवाने के मौजूदा रिवाज का विरोध करने के लिए मुंबई और पुणे में नाइयों की हड़ताल कराने में सफल रहीं। फुले दंपत्ति द्वारा चलाए जा रहे तीनों स्कूल 1858 तक बंद हो गए। इसके कई कारण थे, जिनमें 1857 के भारतीय विद्रोह के बाद प्राइवेट यूरोपियन डोनेशन का सूख जाना, करिकुलम पर मतभेद के कारण स्कूल मैनेजमेंट कमेटी से ज्योतिराव का इस्तीफा और सरकार से सपोर्ट वापस लेना शामिल था। हालात से हारे बिना ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने फातिमा शेख के साथ मिलकर दबे-कुचले समुदायों के लोगों को भी पढ़ाने का जिम्मा उठाया। इतने सालों में, सावित्रीबाई ने 18 स्कूल खोले और अलग-अलग जातियों के बच्चों को पढ़ाया। सावित्रीबाई और फातिमा शेख ने महिलाओं के साथ-साथ दबी-कुचली जातियों के दूसरे लोगों को भी पढ़ाना शुरू किया। यह बात कई लोगों को अच्छी नहीं लगी, खासकर पुणे की ऊंची जाति के लोगों को, जो दलितों की पढ़ाई के खिलाफ थे। सावित्रीबाई और फातिमा शेख को वहां के लोगों ने धमकाया और उन्हें समाज में परेशान और बेइज्जत भी किया गया। जब सावित्रीबाई स्कूल की तरफ जाती थीं, तो उन पर गोबर, कीचड़ और पत्थर फेंके जाते थे। हालांकि, ऐसे जुल्म भी पक्के इरादे वाली सावित्रीबाई को उनके मकसद से रोक नहीं पाए और वह दो साड़ियां साथ रखती थीं। सावित्रीबाई और फातिमा शेख के साथ बाद में सगुना बाई भी जुड़ गईं, जो आखिरकार एजुकेशन मूवमेंट में एक लीडर बन गईं। इस बीच, 1855 में फुले दंपत्ति ने किसानों और मजदूरों के लिए एक नाइट स्कूल भी खोला ताकि वे दिन में काम कर सकें और रात में स्कूल जा सकें। स्कूल छोड़ने वालों की संख्या को रोकने के लिए, सावित्रीबाई ने बच्चों को स्कूल जाने के लिए स्टाइपेंड देने की प्रैक्टिस शुरू की। वह जिन छोटी लड़कियों को पढ़ाती थीं, उनके लिए वह एक प्रेरणा बनी रहीं। उन्होंने उन्हें लिखने और पेंटिंग जैसी एक्टिविटीज करने के लिए हिम्मत दी। सावित्रीबाई की एक स्टूडेंट मुक्ता साल्वे का लिखा एक निबंध उस समय दलित फेमिनिज्म और लिटरेचर का चेहरा बन गया। उन्होंने पेरेंट्स को शिक्षा के महत्व के बारे में अवेयर करने के लिए रेगुलर इंटरवल पर पेरेंट-टीचर मीटिंग कीं ताकि वे अपने बच्चों को रेगुलर स्कूल भेजें। 1863 में, ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने भी शुरू किया ह्यबालहत्या रोकथाम गृहह्ल नाम का एक केयर सेंटर, शायद भारत में बना पहला शिशु हत्या रोकथाम गृह था। इसे इसलिए बनाया गया था ताकि गर्भवती ब्राह्मण विधवाएं और रेप पीड़ित अपने बच्चों को सुरक्षित जगह पर जन्म दे सकें, जिससे विधवाओं की हत्या को रोका जा सके और शिशु हत्या की दर भी कम हो सके। 1874 में, ज्योतिराव और सावित्रीबाई, जो वैसे निःसंतान थे, ने काशीबाई नाम की एक ब्राह्मण विधवा से एक बच्चा गोद लिया, जिससे समाज के प्रगतिशील लोगों को एक मजबूत संदेश मिला। गोद लिया हुआ बेटा, यशवंतराव, बड़ा होकर डॉक्टर बना। ज्योतिराव ने विधवाओं की दोबारा शादी की वकालत की, वहीं सावित्रीबाई ने बाल विवाह और सती प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ बहुत मेहनत की। ये दो सबसे सेंसिटिव सामाजिक मुद्दे थे जो धीरे-धीरे महिलाओं के वजूद को कमजोर कर रहे थे। उन्होंने बाल विधवाओं को पढ़ा-लिखाकर और उन्हें मजबूत बनाकर मुख्यधारा में लाने की भी कोशिश की और उनकी दोबारा शादी की भी वकालत की। इन कोशिशों का रूढ़ीवादी ऊँची जाति के समाज ने कड़ा विरोध भी किया।उन्होंने अपने पति के साथ मिलकर छुआछूत और जाति व्यवस्था को खत्म करने, निचली जातियों के लोगों के लिए बराबर अधिकार दिलाने और हिंदू पारिवारिक जीवन में सुधार लाने की कोशिशों में साथ दिया। इस जोड़े ने अपने घर में अछूतों के लिए एक कुआँ खोला, उस जमाने में जब अछूत की परछाई भी अपवित्र मानी जाती थी और लोग प्यासे अछूतों को पानी देने से भी हिचकिचाते थे। वह ज्योतिराव द्वारा 24 सितंबर, 1873 को पुणे में शुरू किए गए ह्यसत्यशोधक समाजह्ल नाम के एक सोशल रिफॉर्म सोसाइटी से भी जुड़ी थीं। समाज का मकसद, जिसमें मुस्लिम, गैर-ब्राह्मण, ब्राह्मण और सरकारी अधिकारी मेंबर के तौर पर शामिल थे, महिलाओं, शूद्रों, दलितों और दूसरे

कमजोर लोगों को जुल्म और शोषण से आजाद कराना था। इस जोड़े ने समाज में बिना किसी पुजारी या दहेज के कम खर्च में शादियां कीं। ऐसी शादियों में दूल्हा और दुल्हन दोनों ने शादी की कसमें खाईं। सावित्रीबाई ने इसके महिला सेक्शन की हेड के तौर पर काम किया और 28 नवंबर, 1890 को अपने पति की मौत के बाद, वह समाज की चेयरपर्सन बन गईं। सावित्रीबाई ने अपनी आखिरी सांस तक समाज के जरिए अपने पति के काम को आगे बढ़ाया। 1876 से शुरू हुए अकाल के दौरान उन्होंने और उनके पति ने बिना डरे काम किया। उन्होंने न सिर्फ. अलग-अलग इलाकों में मुफ़्त खाना बांटा, बल्कि महाराष्ट्र में 52 मुफ़्त फूड हॉस्टल भी शुरू किए। सावित्रीबाई ने 1897 के सूखे के दौरान ब्रिटिश सरकार को राहत काम शुरू करने के लिए भी मनाया। इस शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता ने जाति और लिंग भेदभाव के खिलाफ भी आवाज उठाई। काव्य फुले (1934) और बावन काशी सुबोध रत्नाकर (1982) उनकी कविताओं का कलेक्शन हैं। मृत्यु उनके गोद लिए हुए बेटे यशवंतराव ने डॉक्टर के तौर पर अपने इलाके के लोगों की सेवा की। जब 1897 में दुनिया भर में फैली तीसरी महामारी बुबोनिक प्लेग ने महाराष्ट्र के नालासपोरा के आस-पास के इलाके को बुरी तरह प्रभावित किया, तो हिम्मत वाली सावित्रीबाई और यशवंतराव ने पुणे के बाहरी इलाके में इस बीमारी से संक्रमित मरीजों के इलाज के लिए एक क्लिनिक खोला। वह मरीजों को क्लिनिक लाती थीं जहाँ उनका बेटा उनका इलाज करता था जबकि वह उनकी देखभाल करती थीं। समय के साथ, मरीजों की सेवा करते हुए उन्हें यह बीमारी हो गई और 10 मार्च, 1897 को उनकी मौत हो गई। समाज की सदियों पुरानी बुराइयों को खत्म करने के लिए सावित्रीबाई की लगातार कोशिशें और उनके द्वारा छोड़े गए अच्छे सुधारों की समृद्ध विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

ट्यूशन से पढ़ाई में अव्वल आ सकते हैं बच्चे

कई पेरेंट्स को लगता है कि बच्चे को ट्यूशन की जरूरत नहीं है और इस चक्कर में स्कूल में बच्चे का परफॉर्मेंस खराब होता चला जाता है।

अब पढ़ाई पहले से ज्यादा मुश्किल हो गई है और बड़ी क्लास में जाने पर बच्चों की परेशानियां भी बढ़ रही हैं। काम के बोझ, असाइनमेंट और बड़े सिलेबस की वजह से बच्चों पर बोझ बढ़ रहा है। पेरेंट्स भले ही बच्चों की पढ़ाई में मदद करते हों लेकिन कई सवाल ऐसे आ जाते हैं, जहां उन्हें एक्सपर्ट की सलाह की जरूरत होती है। यहां काम आता है होम ट्यूशन। ट्यूशन से बच्चों को अपने सवालों के जवाब मिलते हैं और वो नए लर्निंग स्किल्स सीखते हैं। अगर आपके बच्चे में ये 5 संकेत दिख रहे हैं, तो समझ लें कि उसे ट्यूशन की जरूरत है।

परफॉर्मेंस में गिरावट

अगर बच्चे की परफॉर्मेंस खराब हो रही है तो इसका मतलब है कि बच्चे को पढ़ाई में बहुत मेहनत करनी पड़ रही है। वहीं अगर बच्चा पहले अच्छा परफॉर्म करता था लेकिन अब कुछ ठीक नहीं चल रहा है, तो यह वाकई में चिंता की बात है। बच्चे से बात करें कि उसे पढ़ाई में क्या परेशानी आ रही है और उसे ट्यूशन की जरूरत है या नहीं।

आत्मविश्वास में कमी

अगर बच्चे को स्कूल में काम खत्म करने में दिक्कत आ रही है तो इसका उनके कॉन्फिडेंस पर असर पड़ेगा। उन्हें अपना होमवर्क खत्म करने की टेंशन होगी और स्कूल न जाने का मन करेगा और परीक्षा में भी परफॉर्मेंस खराब हो जाएगी। ऐसा संकेत मिलने पर आपको अपने बच्चे के लिए ट्यूशन रख लेना चाहिए। इससे उसका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

टाइम को मैनेज न करना

टाइम को मैनेज करने में दिक्कत आना या किसी एक सबजेक्ट को याद करने में परेशानी आना भी इस बात का संकेत है कि बच्चे को मदद की जरूरत है। हो सकता है कि बच्चा बाकी सभी सबजेक्ट में अच्छा हो लेकिन गणित और साइंस में उसे परेशानी आती हो। ऐसे में सिर्फ स्कूल जाकर उसकी परेशानी का हल नहीं निकल सकता है। उसे घर पर भी इन विषयों की एक्स्ट्रा क्लास की जरूरत होगी।

होमवर्क करने में दिक्कत आना

अगर बच्चा होमवर्क करने में बहाने बनाता है या स्कूल से मिले काम को छिपा रहा है, तो आप समझ लें कि उसे मदद की जरूरत है। बच्चे अक्सर ऐसा तब करते हैं जब उन्हें कोई टॉपिक समझ न आ रहा हो या काम खत्म करने में दिक्कत हो रही हो। प्राइवेट ट्यूटर बच्चे को उसका काम खत्म करने और टॉपिक को समझने में मदद कर सकते हैं।

खुद के पास नहीं है समय

आप चाहते हैं कि आपका बच्चा पढ़ाई में अच्छा करे तो आपको भी इसके लिए मेहनत करनी होगी। स्कूल की पढ़ाई पर आप ज्यादा भरोसा नहीं कर सकते हैं। अगर आप बच्चे पर ध्यान नहीं दे सकते हैं या उसकी पढ़ाई में मदद नहीं कर सकते हैं तो उसके लिए होम ट्यूशन रख लें। कई लोग सोचते हैं कि ट्यूशन कमजोर बच्चे लेते हैं लेकिन ऐसा नहीं है। ट्यूशन से बच्चों को पढ़ाई में काफी मदद मिल जाती है और उनका परफॉर्मेंस भी बेहतर होता है।

बच्चों के लिए बनाएं हैल्दी-टेस्टी मैक्सिकन सैंडविच

सेहतमंद रहने के लिए डाइट का हैल्दी होना बेहद जरूरी है। मगर बात बच्चों की करें तो वे खाने-पीने में थोड़ी मूडी होते हैं। ऐसे में आप उन्हें खास मैक्सिकन सैंडविच बनाकर खिला सकती है। सब्जियों व पनीर से तैयार यह सैंडविच खाने में टेस्टी होने के साथ सेहत के लिए फायदेमंद होता है। जानते हैं इसे बनाने की रेसिपी...

सामग्री

ब्रेड- 4 स्लाइस
बटर- 4 चम्मच
बेक बीन्स- 1/2 बाउल
टमाटर- 1 (कटा हुआ)
प्याज- 1/4 बाउल (कटे हुए)
ग्रेटिड पनीर- 2 बड़े चम्मच
स्प्रिंग ऑनियन-
1 बड़ा चम्मच (कटा हुआ)
नमक-स्वाद अनुसार
रेड चिली सॉस- 1 छोटा चम्मच
टोमैटो सॉस- 1 बड़ा चम्मच
सालसा सॉस- 2 बड़े चम्मच

विधि

- सबसे पहले ब्रेड को ट्राएंगल शेप में काटकर बटर लगाएं।
- एक बाउल में सभी सब्जियां व सॉस मिलाएं।
- तैयार स्टफिंग को ब्रेड पर लगाकर दूसरे ब्रेड स्लाइस से ढक दें।
- अब ब्रेड पर दोनों तरफ बटर लगाकर तवे पर शैलो फाई करें।
- आप चाहें तो इसे बेक कर सकती है।
- तैयार मैक्सिकन सैंडविच को सालसा व टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

नाश्ते में बनाएं इंदौरी पोहा

नाश्ते में खासतौर पर लोग पोहा खाना पसंद करते हैं। वहीं लोग इसमें अलग-अलग सब्जियां डालकर खिलाते हैं। मगर आज हम आपके लिए खास इंदौरी पोहा की रेसिपी लेकर आते हैं। यह चिड़वा, सब्जी, भुजिया और मूंगफली से तैयार किया जाता है। इसे बनाने का तरीका...

सामग्री

पोहा-2 कप
हरी मिर्च-
2 (बारीक कटी)
सौंफ- 1 छोटा चम्मच
राई- 1/2 छोटा चम्मच
हल्दी पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
शक्कर- 2-3 बड़े चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
हरा धनिया-
1 बड़ा चम्मच (बारीक कटा)
प्याज- 1/2 कप (बारीक कटा)
चटपटी इंदौरी सेव- जरूरत अनुसार
तेल- 2 बड़े चम्मच
मसाला बूंदी- जरूरत अनुसार
जीरावन मसाला- जरूरत अनुसार
नींबू- 1 बड़ा चम्मच

विधि

- सबसे पहले पोहा धोएं और इसका पानी निकाल कर अलग रखें।
- अब इसमें हल्दी, नमक और शक्कर मिलाएं।
- पैन में तेल गर्म करके राई का तड़का लगाएं।
- इसमें हरी मिर्च, सौंफ पकाएं।
- इसमें पोहा मिलाकर धीमी आंच पर पकाएं।
- अब एक पतीले में पानी उबालें।
- उस पानी में पोहा का पैन रखकर इसे भाप में पकाएं।
- पोहा पकने पर इसे प्लेट में निकालें।
- इसे सेंव, प्याज, जीरावन मसाला, बूंदी और नींबू से गार्निश करके सर्व करें।

अपने बच्चे को सिखाएं मनी मैनेज करना

बच्चे जब बड़े होने लगते हैं तो उन्हें वित्तीय शिक्षा देना आवश्यक हो जाता है। वे आपका अनुकरण करके भी सीख जाएंगे, पर समय-समय पर उन्हें छोटी-छोटी बातें बताकर आप उन्हें अपने जिम्मेदार बनाने में मदद कर सकते हैं। अपने बच्चों से आप कीमतों और उत्पादों की तुलना पर चर्चा करें। उन्हें भी किराने की दुकान पर अपने साथ ले जाएं, फिर धीरे-धीरे छोटे-मोटे सामान लाने के लिए उन्हें अकेले भेजें। इससे उनमें बाजार और पैसे की समझ पैदा होगी। बच्चे जितनी जल्दी पैसों का प्रबंधन सीख जाएं, उतना अच्छा है। इस तरह वे जीवन का एक महत्वपूर्ण सबक सीखेंगे। जब वे वयस्क हो जाएंगे तो अपने आप स्मार्ट वित्तीय विकल्प बनाने लग जाएंगे। बचपन से ही उन्हें पैसे के प्रबंधन के लिए इन 3 तरीकों को जानना बेहद जरूरी है-

सहेजना/ बचत करना

इस तरीके को आसानी से समझाने के लिए आप अपने बच्चे को गुल्लक लाकर दीजिए। जब भी बच्चे को उपहार के रूप में पैसे मिलें तो उसे वे गुल्लक में डालने के लिए कहें, फिर उसे पैसे गिनने के लिए कहें और ये समझाएं कि पैसे जमा हो रहे हैं और बढ़ रहे हैं। ऐसा करने के लिए अपने बच्चे को प्रोत्साहित करें।

खर्च करना

अपने बच्चे को बुद्धिमानी से खर्च करना सिखाएं। जब वे एक नए पेंसिल बॉक्स पर खर्च करना चाहें तो उनसे पूछें कि क्या वे वास्तव में इसे खरीदना चाहते हैं? उनके लिए यह समझना बहुत जरूरी है कि उनके लिए क्या जरूरी है और क्या नहीं। इससे बच्चा अपनी असली जरूरतों को समझेगा और फिजूलखर्ची नहीं करेगा।

दान

उन्हें साझा करना सिखाएं। उसे सिखाएं कि उदारता से बड़ा कोई पुण्य नहीं है। इसी के साथ उन्हें पैसे की कद्र करना सिखाएं, पैसे की बचत करना सिखाएं, फिजूलखर्ची होने पर उन्हें चेताएं और सबसे जरूरी यह है कि आप खुद उनके लिए एक आदर्श उदाहरण बनें। बच्चे आपका अनुकरण अवश्य करेंगे।

ड्रैसिंग रूम को दें अलग अंदाज

अपने आशियाने को करीने से सजाना प्रत्येक महिला की चाहत होती है। ड्रैसिंग रूम में ज्यादा स्थान के कुछ ईजी टिप्स, रोशनी लगाने का एक अलग अंदाज और सोफे में ही टेबल के एक लेटेस्ट डिजाइन के बारे में जानना भी जरूरी है। तो आइए जानें ड्रैसिंग रूम में ज्यादा स्पेस कैसे बनाएं

- आप जिन चीजों को रख रही हैं उनकी लेबलिंग करें। बास्केट पर लिख दें कि यह किस चीज के लिए है।
- तौलिए, कपड़ों को टांगने वाले हुक कुछ ऐसे हों कि आसानी से दीवार में टांगे जा सकें और सही तरह से उनमें ज्यादा सामान आ सके।
- दरवाजे के ऊपर पोर्शन रखें, बशर्ते आपके ड्रैसिंग रूम की छत ऊंची हो। इसके ऊपर का स्थान सबसे अहम है क्योंकि उसे आप स्टोरेज के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं।
- कॉर्ड कंट्रोल या वायर को घुमा कर रखने से ड्रायर, इलैक्ट्रिक शेवर्स और प्रैस रख सकती हैं।
- ड्रेसिंग टेबल के करीब अपने सभी छोटे मोटे सामान रखें। जिसकी आपको रोजाना जरूरत पड़ती है। सामान को धूल से बचाने के लिए सुंदर शोपीस का इस्तेमाल करें जिसमें अपनी पसंदीदा चीजें प्रदर्शित कर सकती हैं।
- गद्देदार कोट हैंगर पर नाजुक कपड़ों को लटकाएं। इससे वो लंबे समय तक खराब नहीं होंगे।
- कभी आपको अचानक यात्रा के लिए जाना पड़ जाए तो इसके लिए एक वानिटी - कैस हमेशा तैयार रखें।
- अच्छी तरह से संगठित अलमारी आपके कपड़ों को टिप टॉप हालत में रखती है।
- सुंदर लटके हुए कपास भंडारण बैग में अपने पसंदीदा अधोवस्त्र स्टोर किए जा सकते हैं।

सनमाइका लगा फर्नीचर देखने में सुंदर होने से घर की खूबसूरती पर चार-चांद लगते हैं। मगर इसे बेदाग और चमकदार बनाएं रखने के लिए खास रख-रखाव की जरूरत होती है।

फर्नीचर पर लगी सनमाइका को चमकाने में काम आएंगे ये टिप्स

लोग घरों पर सनमाइका लगा फर्नीचर रखना पसंद करते हैं। यह देखने में सुंदर होने से घर की खूबसूरती पर चार-चांद लगते हैं। मगर इसे बेदाग और चमकदार बनाएं रखने के लिए खास रख-रखाव की जरूरत होती है। नहीं तो दाग लगा फर्नीचर गंदा लगता है। इसके साथ लंबे समय तक इसकी सफाई करने पर इसके जिद्दी दाग छुड़वाने में भी परेशानी हो सकती है। ऐसे में आज हम आपको कुछ खास व आसान से टिप्स बताते हैं। इसकी मदद से आप अपने फर्नीचर की सनमाइका चमकदार रख सकती है। चलिए जानते हैं इन उपायों के बारे में...

सोडा और डिश वॉश

आप सनमाइका की चमक बरकरार रखने के लिए सोडा और डिश वॉश को इस्तेमाल कर सकती है। इसके लिए एक गिलास पानी में 1-1 बड़ा चम्मच सोडा और डिश वॉश मिलाएं। इस मिश्रण को स्प्रे बोतल में भरकर अच्छे से मिलाएं। इसके बाद अपने फर्नीचर पर मिश्रण को स्प्रे करें। बाद में सूखे और कॉटन के कपड़े से सनमाइका को हल्के से साफ करें। इससे आपका फर्नीचर एक साफ होकर नए जैसा चमकने लगेगा।

व्हाइट विनेगर और पानी

इसके लिए 1 गिलास सफेद सिरका और पानी बराबर मात्रा में मिलाएं। तैयार मिश्रण को स्प्रे बोतल में भरें। फिर इसे सनमाइका पर छिड़कें। इसके बाद सूखे व कॉटन के कपड़े लेकर हल्के हाथों से इसे साफ करें। इससे आपके सनमाइका पर लगी धूल-मिट्टी व दाग-धब्बे साफ हो जाएंगे। ऐसे में आपका फर्नीचर एकदम नए जैसा चमकता हुआ नजर आएगा।

क्लीनिंग सॉल्यूशन

आप ड्रेसिंग टेबल, सेंटर टेबल और खिड़की के शीशों आदि को साफ करने के लिए किसी भी क्लीनिंग सॉल्यूशन को यूज कर सकती है। आप बाजार से किसी भी अच्छे ब्रांड का क्लीनिंग सॉल्यूशन खरीद सकती है। इसके बाद इसे फर्नीचर पर स्प्रे करें और सूखे कपड़े से साफ करें। इससे फर्नीचर पर लगे दाग-धब्बे मिनटों में दूर हो जाएंगे और आपका सनमाइका भी शीशे के जैसे चमकता नजर आएगा।

अगर स्प्रे बोतल ना हो तो...

अगर आपके पास स्प्रे बोतल नहीं है तो इसकी जगह पर आप किसी भी मिश्रण बाउल में लें। फिर कॉटन के कपड़े को हल्का सा मिश्रण डुबोकर फर्नीचर को साफ करें। बाद में सूखे कपड़े से इसे साफ कर लें। आपका फर्नीचर चमक उठेगा।

चाय के साथ बनाएं चटपटे आलू ब्रेड रोल

मानसून में चाय के साथ अक्सर लोग कुछ चटपटा खाना पसंद करते हैं। ऐसे में आप आलू से चटपटे ब्रेड रोल बना सकती है। यह टेस्टी होने के साथ बनाने में भी आसान है। चलिए जानते हैं चटपटे आलू ब्रेड रोल बनाने का तरीका...

सामग्री

ब्रेड- 11
आलू- 6 (उबले और मैश्ड)
हरा धनिया- 2 बड़े चम्मच (बारीक कटा)
धनिया पाउडर- 1 छोटा चम्मच
अमचूर पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
लाल मिर्च पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
गरम मसाला- 1/4 छोटा चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
तेल- तलने के लिए

विधि

- पैन में तेल गर्म करके आलू व सभी मसाले डालकर भून लें।
- मिश्रण को हल्का ठंडा करके छोटे-छोटे बॉल्स बना लें।
- अब ब्रेड को किनारों से काटकर पानी में डुबोकर तुरंत निकाल लें।
- इसे हथेली से दबाकर ब्रेड से एक्सट्रा पानी निकाल लें।
- अब इसमें आलू की एक बॉल रखकर रोल बना लें।
- इसी तरह बाकी के ब्रेड रोल बनाएं।
- अलग पैन में तेल गर्म करके ब्रेड रोल सुनहरा बुरा होने तक तल लें।
- इसे प्लेट में रखकर नैपकिन से एक्सट्रा तेल निकाल लें।
- अब टोमैटो सॉस या धनिया की चटनी से इसे सर्व करें।

स्किन को ग्लोइंग रखते हैं करेले से बनें ये तीन फेस पैक

करेला जितना स्वाद में कड़वा लगता है यह सेहत के लिए उतना ही फायदेमंद होता है केवल खाने में नहीं बल्कि इसे लगाने से भी स्किन से संबंधित कई समस्याएं दूर होती है। बता दें कि करेला यह स्किन पर होने वाले पिंपल्स और एक्ने से हमें बचाता है और चेहरे पर नेचुरल ग्लो लेकर आता है। इसके अलावा करेले को सुपरफूड भी कहा जाता है। आईए जानते हैं करेला हमारी स्किन कैसे फायदेमंद है।

करेले के गुण

करेले में विटामिन-सी, आयरन, बीटा-केराटिन, पोटेशियम, कैल्शियम जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो स्किन पर मौजूद बैक्टीरिया और कीटाणुओं हटाकर स्किन को ग्लोइंग लुक देते हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण पाएं जाते हैं जो एजिंग की प्रक्रिया को स्लो करने में मदद करता है। इसी के साथ आज हम आपको करेले के कुछ फेस पैक्स बताएंगे जो आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। आईए जानते हैं करेले से बने फैस पैक के बारे में

खीरे से ऐसे बनाएं करेला फेस पैक

डल स्किन को रिमूव करने के लिए खीरे और करेले का फेस पैक बहुत ही बढ़िया है। खीरे में मौजूद पानी स्किन को साफ करने में मदद करता है। वहीं इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप करेले और खीरे के कुछ टुकड़े लें और उसे मिक्सर में पीस लें। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें, बाद में चेहरा ठंडे पानी से धो लें। इस फेस पैक को लगाने से आपकी डल स्किन रिमूव होगी और चेहरा ग्लो करेगा।

अंडे-दही से बनाएं करेला फेस पैक

अंडा और दही स्किन को हाइड्रेट करने में बहुत ही मददगार है। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन पोर्स को टाइट करता है और चेहरे की झुर्रियां कम होती है। इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप करेले का रस लें और दही और अंडे में अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं और 25 मिनट के लिए छोड़ दें, बाद में इसे गर्म पानी से धो लें ।सिसे आपकी स्कीन टाइट और ग्लोइंग लगेगी।

नीम हल्दी से बनाएं करेला फेस पैक

नीम में एंटीऑक्सीडेंट गुण भरपर पाएं जाते हैं जो स्किन को पिंपल्स और एक्ने से बचाने में मदद करता है। वहीं इसमें मौजूद हल्दी स्किन पर निखार लाने का काम करती है। इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप ब्लेंडर में करेले, नीम और हल्दी को डाले और एक पेस्ट तैयार कर लें, इसके बाद में इसे चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट के छोड़ दें, बाद में गुनगुने पानी से इसे धो लें। कुछ ही दिनों में आपको पिंपल्स और एक्ने की समस्या दूर हो जाएगी।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com